संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025
RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050

दैनिक घटती घटना

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 21, अंक -29 शनिवार ,30 नवम्बर 2024 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

देश की संक्षिप्त खबरें

मंगल मुंडा का निधन पर पीएम मोदी समेत तमाम नेताओं ने जताया शोक

नई दिल्ली,29 नवम्बर 2024 (ए)। आदिवासी नेता बिरसा मुंडा के परपोते मंगल मुंडा का शुक्रवार को रांची के राजेंद्र आयुर्विज्ञान संस्थान (आरआईएमएस) में रात करीब साढ़े 12 बजे हृदय गति रुकने से निधन हो गया। वह एक सड़क दुर्घटना में घायल हो गए थे।मंगल मुंडा के निधन पर पीएम मोदी ने शोक जताया है।

खंडवा में मशाल जुलूस के दौरान भड़क उठी आग, 50 घायल,12 गंभीर

खंडवा,29 नवम्बर 2024 (ए)। मध्य प्रदेश के खंडवा में मशाल जुलूस के समापन के दौरान आग भड़कने से 50 से ज्यादा लोग झुलस गए। घटना शहर के घंटाघर चौक में देर रात हुई। घायलों को इलाज के लिए फिलहाल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। खबर है कि इस जुलूस में एक हजार से ज्यादा मशालें थीं। वहीं इनमें से 200 मशालें जलाई गई थी। मशाल में लकड़ी का बुरादा और कपूर का चूरा था, जिससे आग और ज्यादा भड़क गई।

पोर्नोग्राफी नेटवर्क मामले में राज कुंद्रा के ठिकानों पर ईडी की छापेमारी

मुंबई,29 नवम्बर 2024(ए)। बॉलीवुड प्रोड्यूसर राज कुंद्रा के कई ठिकानों पर शुक्रवार सुबह प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने रेड डाली। मामला पोर्नोग्राफी से जुड़ा बताया जा रहा है।जानकारी के अनुसार, ईडी के अधिकारियों ने सुबह 6 बजे से सांताक्रूज स्थित शिल्पा शेट्टी के घर पर भी जांच शुरू कर दी है। शिल्पा शेट्टी कुंद्रा के पति और एक प्रसिद्ध बॉलीवुड अभिनेत्री हैं। ईडी की इस छापेमारी का संबंध राज कुंद्रा और उनके सहयोगियों द्वारा संचालित कथित पोर्नोग्राफी नेटवर्क और चैनलों से है, जो सोशल मीडिया और अन्य डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर कथित रूप से अवैध रूप से अश्लील सामग्री फैलाने के आरोपों से जुड़ा हुआ है।

अधर में लटका मुख्यमंत्री चुनाव का मामला

» शिवसेना ने सीएम के बदले गृह और वित्त मंत्रालय मांगा...

» भाजपा देना नहीं चाहती,इसलिए मुंबई में होने वाली महायुति की बैठक टली...

मुंबई,29 नवम्बर 2024(ए)। महाराष्ट्र में नई सरकार बनाने को लेकर पेच फंस गया है। सूत्रों के मुताबिक, शिवसेना मुख्यमंत्री पद के बदले गृह और वित्त मंत्रालय मांग रही है। इसलिए मुंबई में शुक्रवार को होने वाली महायुति (भाजपा+शिवसेना शिंदे गुट+एनसीपी अजित पवार) की अहम बैठक टाल दी गई।

सूत्रों के मुताबिक कार्यवाहक मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे अचानक सातारा चले गए हैं। अब महायुति की बैठक 1 दिसंबर रविवार को होने के आसार हैं। रविवार सुबह तक भाजपा के 2 पर्यवेक्षक दिल्ली से मुंबई आएंगे। इनकी मौजूदगी में भाजपा विधायक दल की मीटिंग होगी। इसमें 2 ऑब्जर्वर्स की मौजूदगी में मुख्यमंत्री के नाम का ऐलान किया जाएगा। भाजपा मराठा चेहरे पर भी विचार कर सकती है।

सूत्रों के मुताबिक, उसके बाद 5 दिसंबर को मुंबई के आजाद मैदान में शपथ ग्रहण समारोह हो सकता है।

शिंदे के अचानक गांव जाने की वजह सूत्रों के मुताबिक, शिंदे पोर्टफोलियो बंटवारे की लिस्ट अमित शाह को सौंप चुके हैं। अब शिंदे भाजपा को फैसला लेने के लिए वक्त देना चाहते हैं इसीलिए वे गांव रवाना हुए हैं। उधर, शिवसेना नेता संजय शिरसाट ने कहा कि अगर एकनाथ शिंदे डिप्टी सीएम का पद स्वीकार नहीं करते हैं तो पार्टी से ही दूसरा चेहरा ये पद संभालेगा। मुझे नहीं लगता कि वे डिप्टी सीएम का पद स्वीकार करेंगे।

मैं आम आदमी,कभी खुद को सीएम नहीं समझा

एकनाथ शिंदे ने 27 नवंबर को कहा था,आम आदमी को क्या समस्या आती है,वो मैं समझता हूं। मैंने कभी भी अपने आप को मुख्यमंत्री नहीं समझा। मैंने हमेशा आम आदमी बनकर काम किया। मैं देखता आ रहा हूं कि कुटुम्ब को कैसे चलाया जाता है। मैंने सोचा था कि जब मेरे पास अधिकार आएंगे तो जो परेशान हैं, उनके लिए योजनाएं लाएंगे।

एक दिन पहले फड़णवीस,अजित-शिंदे ढाई घंटे शाह से मिले

एकनाथ शिंदे, देवेंद्र फडणवीस और अजित पवार ने गुरुवार की रात दिल्ली में करीब ढाई घंटे तक गृहमंत्री अमित शाह और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा के साथ मीटिंग की। शिंदे ने आधे घंटे तक शाह से अकेले मुलाकात की। सूत्रों ने बताया कि हाईकमान ने शिंदे को डिप्टी सीएम या केंद्र में मंत्री पद का ऑफर किया है। शिंदे केंद्रीय मंत्री बनने का मन बनाते हैं तो उनके गुट से किसी अन्य नेता को डिप्टी सीएम बनाया जा सकता है।

भाजपा मराठा नेताओं पर भी विचार कर रही

माना जा रहा है कि सीएम चुनने में जातीय गणित की बड़ी भूमिका हो सकती है, क्योंकि 288 सीटों की विधानसभा में मराठा समुदाय के विधायक बड़ी संख्या में हैं। देवेंद्र फडणवीस ब्राह्मण हैं। ऐसे में भाजपा नेतृत्व सीएम के लिए कुछ मराठा नेताओं पर भी विचार कर रहा है। हालांकि, सूत्रों की मानें तो आरएसएस ने दबाव बढ़ाया तो फडणवीस के ष्टरूबनने की संभावना ज्यादा है।

मैं आपका लाडला भाई,ये लोकप्रियता ज्यादा अच्छी

शिंदे ने कहा, जब सीएम था, जब लोगों को लगता था कि हमारे बीच का मुख्ममंत्री है। घर हो, मंत्रालय हो, लोग आकर मिलते हैं। मेरी जो पहचान मिली है, वो आपकी वजह से है। मैंने लोकप्रियता के लिए काम नहीं किया, महाराष्ट्र की जनता के लिए काम किया। राज्य की बहनें और भाई अब खुश हैं। बहनों ने मेरा साथ दिया और मेरी रक्षा की, अब मैं उनका लाडला भाई हूं, यह पहचान अच्छी है।

मुझे पद की लालसा नहीं, महाराष्ट्र में कोई स्पीड ब्रेकर नहीं

एकनाथ शिंदे ने कहा, मुझे पद की लालसा नहीं। हम लड़ने वाले लोग नहीं हैं। हम काम करने वाले लोग हैं। मैंने पीएम और गृह मंत्री से भी कह दिया है कि महाराष्ट्र में कोई स्पीड ब्रेकर नहीं है, कोई नाराज नहीं, कोई गायब नहीं है। यहां कोई मतभेद नहीं है। एक स्पीड ब्रेकर था वो था महा विकास अघाड़ी, वो हटा दिया है।

राज्य को आगे बढ़ाने के लिए केंद्र का साथ जरूरी

एकनाथ शिंदे बोले,हमने ढाई साल सरकार चलाई। इस दौरान केंद्र सरकार हमारे साथ मौजूद रही, खड़ी रही। हमारे हर प्रस्ताव को उसका समर्थन मिला। राज्य को चलाने के लिए केंद्र सरकार का साथ जरूरी है।

मोदी-शाह ढाई साल चट्टान की तरह साथ खड़े रहे

उन्होंने कहा, हमने ढाई साल सरकार चलाई। प्रधानमंत्री मोदी और गृह मंत्री शाह ने मुझ जैसे कार्यकर्ता को मुख्यमंत्री पद की जिम्मेदारी दी। ढाई साल तक दोनों चट्टान की तरह हमारे साथ खड़े रहे। मुझ से कहा कि आप जनता का काम करो और हम आपके साथ हैं।

कांग्रेस नेताओं का चुनाव आयोग को लेटर,

जयराम रमेश, नाना पटोले और मुकुल वाशनिक ने चुनाव आयोग को लेटर लिखकर महाराष्ट्र चुनाव में गड़बड़ी का आरोप लगाया। कांग्रेस नेताओं ने कहा- शाम 5 बजे महाराष्ट्र राज्य में मतदान प्रतिशत 58.22 प्रतिशत था, उन्होंने कहा कि बाद में उसी दिन रात 11:30 बजे तक यह प्रतिशत 65.02त्न बताया गया।

महाराष्ट्र में जुलाई 2024 से नवंबर 2024 के बीच मतदाता सूची में अनुमानित 47 लाख नए मतदाता जोड़े गए। कांग्रेस नेताओं ने तर्क दिया कि, इनमें से 50 विधानसभा क्षेत्रों में औसतन 50,000 वोटर्स की बढ़ोतरी हुई, उनमें से 47 निर्वाचन क्षेत्रों में सत्तारूढ़ सरकार और उसके सहयोगियों ने जीत हासिल की।

हम अड़चन नहीं,पूरी शिवसेना को मोदी जी का फैसला स्वीकार

शिंदे ने कहा, मैंने मोदीजी-शाहजी को फोन किया। मैंने उनसे कहा कि आपका जो भी फैसला होगा, हमें स्वीकार है। भाजपा की बैठक में आपका कैंडिडेट चुना जाएगा, वो भी हमें स्वीकार है। हम सरकार बनाने में अड़चन नहीं है। आप सरकार बनाने को लेकर जो फैसला लेना चाहते हैं, ले लीजिए। शिवसेना और मेरी तरफ से कोई अड़चन नहीं है।

हंगामे के बीच लोकसभा और राज्य सभा 2 दिसंबर तक के लिए स्थगित

नई दिल्ली,29 नवम्बर 2024 (ए)। शीतकालीन संसद का पहला सत्र 25 नवंबर को शुरू हुआ। कार्यवाही के शुरुआती दो दिनों में सदन बिना किसी कामकाज के स्थगित हो गया है। विपक्ष लगातार अडाणी, संभल और मणिपुर के मुद्दे पर चर्चा की मांग कर रहा है। शीतकालीन सत्र 20 दिसंबर तक चलेगा. आज केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह शुक्रवार को विचार और पारित करने के लिए लोकसभा में आपदा प्रबंधन (संशोधन) विधेयक, 2024 पेश करेंगे। अमित शाह प्रस्ताव करेंगे कि आपदा प्रबंधन अधिनियम, 2005 में संशोधन करने वाले विधेयक पर विचार किया जाए। साथ ही प्रस्ताव करेंगे कि विधेयक पारित किया जाए कार्यसूची में कहा गया है। इस बीच, राज्यसभा में 44 निजी विधेयक पेश किए जाने हैं और पांच विधेयक विचार और पारित किए जाने हैं. केंद्र सरकार ने 1 अगस्त, 2024 को लोकसभा में आपदा प्रबंधन (संशोधन) विधेयक, 2024 पेश किया.बिट्टू अब भाजपा के प्रति अपनी वफादारी दिखा रहे हैं। कांग्रेस सांसद गुरजीत सिंह औजला केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू के बयान पर कांग्रेस सांसद गुरजीत सिंह औजला ने कहा कि बिट्टू अब भाजपा के प्रति अपनी वफादारी दिखा रहे हैं। बिट्टू पहले कहां थे? वह इसी परिवार के साथ थे. जनता ने उन्हें (सोनिया गांधी, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी) चुनकर भेजा है. बिट्टू चुने नहीं गए हैं, उन्हें चुना गया है।

जेपी नड्डा ने संसद परिसर में कांग्रेस सांसदों का स्वागत किया

केंद्रीय मंत्री और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने संसद परिसर में कांग्रेस सांसदों अमरिंदर सिंह राजा वडिग और सुखजिंदर सिंह रंधावा और पंजाब के अन्य सांसदों का अभिवादन किया।

01 दिसंबर से होंगे 10 बड़े बदलाव

आम आदमी पर सीधा पड़ेगा असर

नई दिल्ली,29 नवम्बर 2024 (ए)। 1 दिसंबर 2024 से कुछ महत्वपूर्ण बदलाव लागू होने जा रहे हैं, जिनका सीधा असर आम जनता के जीवन पर पड़ेगा। बैंक लोन, राशन, सिम कार्ड, पेंशन, यूपीआई और बोर्ड एक्जाम से जुड़े नियमों में किए गए ये बदलाव कई क्षेत्रों में नए मानक स्थापित करेंगे।

. बैंक लोन में बदलाव

1 दिसंबर से बैंक लोन नियमों में संशोधन किया गया है। अब लोन के आवेदन और स्वीकृति प्रक्रिया को तेज और आसान बनाने के साथ, ब्याज दरों में भी मामूली बदलाव किया जा सकता है। इसका लाभ लोन लेने वालों को मिलेगा, खासकर होम लोन और पर्सनल लोन के क्षेत्र में।

राशन कार्ड धारकों के लिए नए नियम

राशन कार्ड में भी बदलाव किए गए हैं। राशन कार्ड धारकों को अब राशन लेने के लिए आधार कार्ड और मोबाइल नंबर की अनिवार्यता रहेगी। यह सुनिश्चित करेगा कि राशन का वितरण सही लाभार्थियों तक पहुंचे। इसके साथ ही, फिंगरप्रिंट ऑथेंटिकेशन को भी अनिवार्य किया गया है ताकि किसी प्रकार की धोखाधड़ी न हो।

सिम कार्ड वेरिफिकेशन

सिम कार्ड की नई खरीद और वेरिफिकेशन के लिए नए नियम लागू किए गए हैं। अब सिम खरीदते समय आधार कार्ड के साथ ही चेहरा पहचानने की प्रणाली (फेस रिकग्निशन) भी लागू की जाएगी। इससे फर्जी पहचान पर सिम लेने के मामलों पर रोक लगेगी।

पेंशन सिस्टम में सुधार

पेंशनभोगियों के लिए पेंशन के नियमों में कुछ बदलाव किए गए हैं। अब पेंशन का वितरण सीधा बैंक खाते में किया जाएगा और डिजिटल वेरिफिकेशन के साथ ई-केवाईसी को अनिवार्य बनाया गया है। इससे पेंशन लेने की प्रक्रिया अधिक आसान और सुरक्षित होगी।

यूपीआई ट्रांजैक्शन में नया शुल्क

यूपीआई ट्रांजैक्शन पर अब एक छोटी राशि का शुल्क लागू किया गया है। हालांकि, 2000 रुपये से नीचे के ट्रांजैक्शन पर कोई शुल्क नहीं लगेगा। यह कदम डिजिटल पेमेंट को प्रोत्साहित करने के लिए उठाया गया है।

बोर्ड परीक्षा के नए नियम

बोर्ड परीक्षा में नए बदलावों के तहत, छात्रों के पास परीक्षा से पहले विषय चुनने और बदलाव करने का एक आखिरी मौका दिया जाएगा। इसके साथ ही, परीक्षा के लिए जरूरी दस्तावेजों की जांच ऑनलाइन होगी जिससे छात्रों को केंद्र पर कोई असुविधा न हो।

टैक्स भुगतान के नए दिशानिर्देश

1 दिसंबर से इनकम टैक्स के नियमों में भी कुछ बदलाव होने जा रहे हैं। अब करदाताओं को अपने टैक्स रिटर्न में और ज्यादा विवरण भरने होंगे, जिससे कि टैक्स चोरी को रोका जा सके। करदाताओं के लिए यह एक महत्वपूर्ण बदलाव है और इसे ध्यान में रखते हुए उन्हें समय पर अपने रिटर्न फाइल करने की सलाह दी जाती है।

क्रेडिट कार्ड से जुड़े नियम

क्रेडिट कार्ड का उपयोग करते समय नए दिशानिर्देश जारी किए गए हैं। क्रेडिट कार्ड पर ब्याज दरों और फीस में बदलाव की संभावना है, जिससे कि कार्डधारकों को शुल्क में राहत मिल सके। साथ ही कार्ड के दुरुपयोग को रोकने के लिए नई सुरक्षा तकनीकों का उपयोग किया जाएगा।

हवाई यात्रा में बदलाव

एविएशन क्षेत्र में भी बदलाव किए गए हैं, जहां हवाई यात्रियों को अब यात्रा के समय कम से कम दो घंटे पहले एयरपोर्ट पर पहुंचने की सलाह दी गई है। इसके साथ ही, ऑनलाइन टिकट बुकिंग पर भी कुछ नए नियम लागू किए गए हैं, जिससे यात्रा में आसानी और सुरक्षा दोनों बढ़ेंगे।

वाहन चलाने के नियम

वाहन चालकों के लिए नए ट्रैफिक नियम लागू होंगे, जिनमें वाहनों की गति सीमा, सीट बेल्ट पहनने की अनिवार्यता और शराब पीकर गाड़ी चलाने पर सख्त दंड शामिल हैं। इसके अलावा, ई-चालान के तहत जुर्माना अब सीधे आपके मोबाइल पर आएगा।

नए बदलावों के फायदे और नुकसान

सुविधा में वृद्धि: डिजिटल भुगतान और ऑनलाइन सेवाओं से समय की बचत होगी। सुरक्षा में सुधार- सिम कार्ड और बैंकिंग क्षेत्र में नए सुरक्षा मानक लागू होंगे।

लागत में वृद्धि: कुछ सेवाओं में नए शुल्क जुड़ने से खर्च बढ़ सकता है।

बीजेपी नेता की महिला से अश्लील चैट वायरल

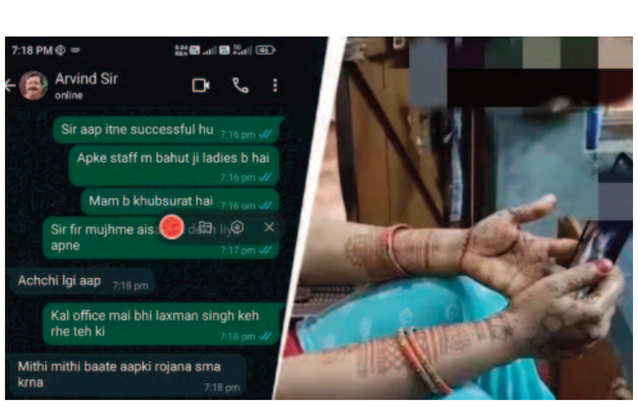

महिला से अश्लील बातों का वीडियो वायरल

शामली,29 नवम्बर 2024(ए)। उत्तर प्रदेश के शामली में नगर पालिका अध्यक्ष अरविंद संगल का एक महिला से अश्लील बातें करते हुए वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। इस वीडियो में संगल एक महिला से बात कर रहे हैं और बातचीत के दौरान महिला उन्हें गलत बातें करने से रोक रही है।वीडियो में देखा जा सकता है कि महिला और नगर पालिका अध्यक्ष के बीच बातचीत के दौरान पास खड़ा एक व्यक्ति वीडियो बना रहा था। वायरल वीडियो ने सोशल मीडिया पर हड़कंप मचा दिया है और लोग सवाल उठा रहे हैं कि एक सम्मानित पद पर बैठे व्यक्ति का यह व्यवहार किस तरह की मिसाल पेश करता है।

इस मामले पर शामली के प्रभारी मंत्री दिनेश खटीक ने कहा कि दोषी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी. हालांकि, वीडियो वायरल होने के तीन दिन बाद भी अब तक नगर पालिका अध्यक्ष अरविंद संगल पर कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। इससे पहले भी अरविंद संगल का नाम विवादों में आ चुका है। नगर पालिका के ईओ ने भी उन पर गंभीर आरोप लगाए थे और कोर्ट ने उन्हें एक सप्ताह की जेल की सजा भी दी थी। यह वीडियो उनकी छवि को फिर से सवालों के घेरे में खड़ा कर रहा है। लोगों का कहना है कि भाजपा को अपने नेताओं पर सख्त कार्रवाई करनी चाहिए, ताकि इस तरह की घटनाएं दोबारा न हों। वहीं कांग्रेसी नेताओं ने भी मामले में सीबीआई जांच की मांग करते हुए जिलाधिकारी के नाम अपर जिलाधिकारी को ज्ञापन दिया है।

अरविंद केजरीवाल का बड़ा दावा

लॉरेंस बिश्नोई को सरकार का संरक्षण मिला है?

नई दिल्ली,29 नवम्बर 2024 (ए)।दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने एक बार फिर केंद्र सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं. उन्होंने कुख्यात गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई को लेकर सवाल उठाते हुए दावा किया कि उसे सरकार का संरक्षण मिल रहा है। केजरीवाल ने गृह मंत्री पर निशाना साधते हुए कहा,आखिर क्यों लॉरेंस बिश्नोई जैसे अपराधी खुलेआम अपनी गतिविधियां जारी रख पा रहे हैं? क्या यह संभव है कि उसे सरकार की ओर से कोई समर्थन न मिल रहा हो? उन्होंने यह भी कहा कि जनता को इस मामले में जवाब चाहिए।. देश में कानून-व्यवस्था की स्थिति पर सवाल उठाते हुए केजरीवाल ने कहा कि ऐसे अपराधियों पर लगाम न कसना देश की सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा है। उन्होंने केंद्र सरकार पर आरोप लगाया कि वह अपराधियों पर सख्त कार्रवाई करने में नाकाम रही है।

दिल्ली में बढ़ते अपराधों को लेकर आम आदमी पार्टी (आप) ने केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। मुख्यमंत्री रहे अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली की कानून व्यवस्था को लेकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को निशाने पर लिया है। आप नेता ने दावा किया है कि दिल्ली में गैंगस्टर और माफिया खुलेआम अपनी गतिविधियां चला रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि अपराधियों के हौसले इतने बुलंद हैं कि रेप, मर्डर और अन्य गंभीर अपराध गृहमंत्री के आवास से कुछ ही किलोमीटर की दूरी पर हो रहे हैं। केजरीवाल ने कहा, दिल्ली पुलिस केंद्र सरकार के अधीन है, फिर भी अपराधों पर लगाम नहीं लग रही है। आम आदमी की सुरक्षा पर यह सरकार फेल हो चुकी है। उन्होंने ने यह भी सवाल उठाया कि आखिर इन अपराधियों को संरक्षण कौन दे रहा है। उन्होंने कहा कि दिल्ली की कानून व्यवस्था इतनी कमजोर हो चुकी है कि आम लोग खुद को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं.

संपादकीय

भारत-बांग्लादेश रिश्तों में एक और पेच पड़ने का अंदेशा

मोहम्मद युनूस ने शेख हसीना को प्रत्यर्पित कराने का इरादा जताया है। बांग्लादेश में शेख़ हसीना के हटने के बाद से युनूस की अंतरिम सरकार ने पहले भी कई ऐसे कदम उठाए हैं, जिन्हें भारत के हित में नहीं माना जा सकता।बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार (जिनके हाथ में वास्तविक सत्ता है) मोहम्मद युनूस की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को प्रत्यर्पित कराने की ताजा घोषणा से भारत-बांग्लादेश रिश्तों में एक और पेच पड़ने का अंदेशा है। युनूस ने बांग्लादेश में अंतरिम सरकार के 100 दिन पूरा होने के मौके पर राष्ट्र के नाम संबोधन में कहा कि उनकी सरकार भारत से हसीना को वापस भेजने को कहेगी, ताकि जुलाई-अगस्त के छात्र आंदोलन में हुई मौतों के लिए उनकी जवाबदेही तय की जा सके। बांग्लादेश यह मांग औपचारिक रूप से सामने रखता है, तो भारत के लिए एक बड़ा असमंजस पैदा होगा। वैसे भी बांग्लादेश में शेख़ हसीना के हटने के बाद से कई ऐसी घटनाएं हुई हैं, जिन्हें भारत के हित में नहीं माना जा सकता।अभी पिछले हफ्ते ही पाकिस्तान का एक मालवाहक पोत कराची से चल कर बांग्लादेश के दक्षिणपूर्वी तट पर स्थित चटगांव बंदरगाह पर पहुंचा। 1971 में बांग्लादेश के मुक्ति युद्ध के बाद से दोनों देशों में पहली बार सीधा समुद्री संपर्क हुआ है। इससे पहले दोनों देशों के बीच समुद्री व्यापार सिंगापुर या कोलंबो के ज़रिए होता था। खुद बांग्लादेश ने इस घटना को पाकिस्तान के साथ द्विपक्षीय संबंधों में महत्त्वपूर्ण क़दम की शुरुआत बताया है। कहा है कि इस रूट पर समुद्री संपर्क बनना दोनों देश के बीच सप्लाई चेन को आसान बनाएगा, परिवहन के समय में कमी आएगी और आपसी व्यवसाय के लिए नए अवसरों के दरवाज़े खुलेंगे।यह निर्विवाद है कि यह सीधा समुद्री संपर्क पाकिस्तान और बांग्लादेश के राजनयिक रिश्तों में एक ऐतिहासिक बदलाव का संकेत है। इसके पहले खबर आई थी कि दोनों देश एक परमाणु सहयोग समझौते पर बातचीत कर रहे हैं, जिसके तहत पाकिस्तान परमाणु बिजली संयंत्र लगाने में बांग्लादेश की मदद करेगा। स्पष्टत- युनूस की अंतरिम सरकार ने पाकिस्तान से रिश्तों में गर्माहट लाने की दिशा में ठोस कदम उठाए हैं। यह घटनाक्रम भारत के लिए चिंता का पहलू है। आम संबंधों के साथ दोनों देशों के उग्रवादी तत्वों के बीच संपर्क बनना भी आसान हो सकता है। लेकिन इस मामले में भारत कुछ कर सकने की स्थिति में नहीं दिखता।

भारत की पहली लंबी दूरी की लैंड अटैक क्रूज मिसाइल

डॉ सत्यवान सौरभ
बड़वा (सिवानी)
भिवानी,हरियाणा

यह मिसाइल की बहुमुखी प्रतिभा और सटीकता को प्रदर्शित करते हुए विभिन्न गति और ऊंचाई पर उड़ान भरते हुए जटिल युद्धाभ्यास करने में भी सक्षम है। लॉन्ग रेंज लैंड अटैक क्रूज मिसाइल अत्याधुनिक एवियोनिक्स और सॉफ्टवेयर से लैस है जो इसके प्रदर्शन और विश्वसनीयता को बढ़ाता है। ये मिसाइलें आमतौर पर सबसोनिक होती हैं और इलाके से सटे उड़ान पथों का अनुसरण कर सकती हैं, जिससे उन्हें पता लगाना और रोकना कठिन हो जाता है, जिससे दुश्मन की रक्षा में भेदने में रणनीतिक लाभ मिलता है। इसे बेंगलुरु में डीआरडीओ के वैमानिकी विकास प्रतिष्ठान द्वारा विकसित किया गया है, लॉन्ग रेंज लैंड अटैक क्रूज मिसाइल विभिन्न डीआरडीओ प्रयोगशालाओं और भारतीय उद्योगों के बीच सहयोग का परिणाम है। हैदराबाद में भारत डायनेमिक्स लिमिटेड और बेंगलुरु में भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड ने विकास-सह-उत्पादन भागीदार के रूप में काम किया। रक्षा अधिग्रहण परिषद (डीएसी) ने पहले ही आवश्यकता की स्वीकृति (एओएन) प्रक्रिया के तहत स्वीकृत मिशन मोड प्रोजेक्ट के रूप में लॉन्ग रेंज लैंड अटैक क्रूज मिसाइल को मंजूरी दे दी थी। मिसाइल के सफल परीक्षण को भारत की रक्षा क्षमताओं को आगे बढ़ाने में एक महत्त्वपूर्ण मील का पत्थर माना जाता है, खासकर लंबी दूरी के सटीक हमलों के क्षेत्र में।

रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन ने 12 नवंबर 2024 को अपनी लॉन्ग रेंज लैंड अटैक क्रूज मिसाइल का पहला उड़ान परीक्षण सफलतापूर्वक किया। पहली उड़ान ओडिशा के तट पर चांदीपुर में एकीकृत परीक्षण रेंज से एक मोबाइल आर्टिकुलेटेड लॉन्चर से उड़ाई गई। एयरो नॉटिकल डेवलप मेंट एस्टेब्लिशमेंट, बेंगलुरु द्वारा अन्य डीआरडीओ प्रयोगशालाओं और भारतीय उद्योगों के योगदान के साथ विकसित, लॉन्ग रेंज लैंड अटैक क्रूज मिसाइल आधुनिक सैन्य शस्त्रागार में एक महत्त्वपूर्ण अतिरिक्त है। लॉन्ग रेंज लैंड अटैक क्रूज मिसाइल को मोबाइल ग्राउंड-आधारित सिस्टम और फ्रंटलाइन जहाजों दोनों से लॉन्च करने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जो एक सार्वभौमिक वर्टिकल लॉन्च मॉड्यूल का उपयोग करता है,जो इसके परिचालन लचीलेपन को और बढ़ाता है। इसे मोबाइल ग्राउंड-आधारित सिस्टम और फ्रंटलाइन जहाजों दोनों से लॉन्च करने के लिए डिज़ाइन किया गया है, एक सार्वभौमिक वर्टिकल लॉन्च मॉड्यूल का उपयोग करके, जो इसके परिचालन लचीलेपन को और बढ़ाता है। यह मिसाइल की बहुमुखी प्रतिभा और

सटीकता को प्रदर्शित करते हुए विभिन्न गति और ऊंचाई पर उड़ान भरते हुए जटिल युद्धाभ्यास करने में भी सक्षम है।

लॉन्ग रेंज लैंड अटैक क्रूज मिसाइल अत्याधुनिक एवियोनिक्स और सॉफ्टवेयर से लैस है जो इसके प्रदर्शन और विश्वसनीयता को बढ़ाता है। ये मिसाइलें आमतौर पर सबसोनिक होती हैं और इलाके से सटे उड़ान पथों का अनुसरण कर सकती हैं, जिससे उन्हें पता लगाना और रोकना मुश्किल हो जाता है, इस प्रकार दुश्मन की सुरक्षा में भेदने में रणनीतिक लाभ मिलता है। इसे बेंगलुरु में डीआरडीओ के वैमानिकी विकास प्रतिष्ठान द्वारा विकसित किया गया है, लॉन्ग रेंज लैंड अटैक क्रूज मिसाइल विभिन्न डीआरडीओ प्रयोगशालाओं और भारतीय उद्योगों के बीच सहयोग का परिणाम है। रक्षा अधिग्रहण परिषद (डीएसी) ने पहले एलआरएलएसीएम को एक मिशन मोड प्रोजेक्ट के रूप में मंजूरी दी थी, जिसे स्वीकृति की आवश्यकता (एओएन) प्रक्रिया के तहत मंजूरी दी गई थी। मिसाइल के सफल परीक्षण को भारत की रक्षा क्षमताओं को आगे बढ़ाने में एक महत्त्वपूर्ण मील का पत्थर माना जाता है, विशेष रूप से लंबी दूरी के सटीक हमलों के क्षेत्र में। भारत के रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) ने लॉन्ग रेंज लैंड अटैक क्रूज मिसाइल का पहला उड़ान परीक्षण सफलतापूर्वक किया। ओडिशा के चांदीपुर में एकीकृत परीक्षण रेंज (आईटीआर) में आयोजित पहला परीक्षण एक मोबाइल आर्टिकुलेटेड लॉन्चर से किया गया और यह एक महत्त्वपूर्ण उपलब्धि थी, क्योंकि मिसाइल ने योजना के अनुसार प्रदर्शन किया और सभी प्राथमिक मिशन लक्ष्यों को पूरा किया। परीक्षण के दौरान, लॉन्ग रेंज लैंड अटैक क्रूज मिसाइल पर रडार, इलेक्ट्रो-ऑप्टिकल ट्रैकिंग सिस्टम और इसके उड़ान पथ के साथ लगाए गए टेलीमेट्री उपकरण सहित सेंसर की एक सरणी का उपयोग करके बारीकी से निगरानी की गई थी। मिसाइल ने सटीक वेपॉइंट नेविगेशन का प्रदर्शन किया और अलग-अलग ऊंचाइयों और गति पर जटिल युद्धाभ्यास को सफलतापूर्वक अंजाम दिया। लंबी दूरी की लैंड अटैक क्रूज मिसाइलें आधुनिक सैन्य शस्त्रागार का एक महत्त्वपूर्ण हिस्सा हैं, जो रणनीतिक लक्ष्यों पर स्टैंड-ऑफ दूरी से लंबी दूरी के हमले करने में सक्षम बनाती हैं, जिसका अर्थ है कि मिसाइल को लक्ष्य से बहुत दूर लॉन्च किया जा सकता है, जिससे लॉन्च प्लेटफॉर्म और इसे संचालित करने वाले कर्मियों को नुक़सान से सुरक्षित रखा जा सकता है। ये मिसाइलें आमतौर पर सबसोनिक होती हैं और भूभाग से सटे उड़ान पथों का अनुसरण कर सकती हैं, जिससे उनका पता लगाना और अवरोधन करना कठिन हो जाता है, इस प्रकार दुश्मन की सुरक्षा को भेदने में रणनीतिक लाभ मिलता है। लॉन्ग रेंज लैंड अटैक क्रूज मिसाइल के अन्य उदाहरणों में यूएस टॉमहॉक और रूस की कैलिबर शामिल हैं, दोनों ही सटीक, लंबी दूरी के हमलों में अपने उपयोग के लिए जाने जाते हैं। बेंगलुरु में डीआरडीओ के एयरोनॉटिकल डेवल पमेंट एस्टेब्लिश मेंट द्वारा विकसित, लॉन्ग रेंज लैंड अटैक क्रूज मिसाइल पूरी तरह से स्वदेशी परियोजना है। कुछ सेंसर और एक्सेलेरोमीटर को छोड़कर मिसाइल के सभी घटक स्थानीय रूप से सोर्स किए गए हैं। हैदराबाद में भारत डायनेमिक्स लिमिटेड और बेंगलुरु में भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड ने मिसाइल के एकीकरण और तैनाती में योगदान देते हुए विकास-सह-उत्पादन भागीदारों के रूप में सहयोग किया है। जमीन-आधारित और नौसैनिक तैनाती दोनों के लिए डिज़ाइन की गई, लॉन्ग रेंज लैंड अटैक क्रूज मिसाइल को यूनिवर्सल वर्टिकल लॉन्च मॉड्यूल का उपयोग करके मोबाइल ग्राउंड प्लेटफ़ॉर्म और जहाजों से लॉन्च किया जा सकता है, यह एक सिस्टम है जिसे ब्रह्मोस एयरोस्पेस द्वारा पेटेंट किया गया है और यह पहले से ही 30 भारतीय नौसेना के जहाजों पर चालू है।

यह मिसाइल एक रक्षा अधिग्रहण परिषद द्वारा स्वीकृत मिशन मोड प्रोजेक्ट है जो स्वीकृति की आवश्यकता के तहत है, जो इसके रणनीतिक महत्त्व पर ज़ोर देता है। 1, 000 किलोमीटर से अधिक की योजनाबद्ध सीमा के साथ, यह मिसाइल भारतीय सशस्त्र बलों, विशेष रूप से नौसेना को अपनी समुद्री-स्किमिंग क्षमताओं के साथ महत्त्वपूर्ण ताकत देगी। मिसाइल के प्रदर्शन को बेहतर बनाने के लिए लगभग 20 अतिरिक्त परीक्षण उड़ानों की योजना बनाई गई है, जिसमें स्वदेशी रेडियो-फ्रीक्वेंसी सीकर के माध्यम से टर्मिनल होमिंग भी शामिल है। सूत्रों के अनुसार, डीआरडीओ द्वारा मिसाइल के परीक्षण पूरे होने के बाद, भारतीय नौसेना लगभग 5, 000 करोड़ रुपये की क़ीमत की लगभग 200 लॉन्ग रेंज लैंड अटैक क्रूज मिसाइल का ऑर्डर दे सकती है। लॉन्ग रेंज लैंड अटैक क्रूज मिसाइल रक्षा अधिग्रहण परिषद द्वारा अनुमोदित, एओएन द्वारा स्वीकृत मिशन मोड परियोजना है, जिसके सेवा में प्रवेश के लिए एक निर्धारित समय-सीमा है।

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

यहूदी विरोधी हमला भयानक,वीभत्स राक्षस बना मानव

सोशल मीडिया के वीडियो में दिखा है कि लोग यहूदियों को पीटते, उनका चाकुओं से पीछा करते और सार्वजनिक-निजी संपत्ति को तोडफ़ोड़ करते हुए देखा जा सकता है। कुछ यहूदी अपनी जान बचाने के लिए स्थानीय इमारतों में घुसते और नहर में कूदते भी नजर आए। मामले में 62 लोगों की गिरफ्तारी हुई है, जबकि दस घायल है। नीदरलैंड के प्रधानमंत्री ने कहा, यह एक भयानक यहूदी विरोधी हमला है। हम इसे बर्दाश्त नहीं करेंगे। मैं बेहद शर्मिंदा हूं कि 2024 में नीदरलैंड में ऐसा हो सकता है।बीते दिनों यूरोपीय देश नीदरलैंड की राजधानी एम्सटर्डम में यहूदियों को फिलीस्तीन समर्थकों द्वारा निशाना बनाया गया। सदियों से यहूदी मजहबी कारणों से ईसाइयत और इस्लाम के निशाने पर है। इसी तरह हिंदुओं के उत्पीडऩ का भी काला इतिहास है। इन सबके सैंकड़ों नहीं, बल्कि हजारों उदाहरण और प्रमाण मौजूद है। आखिर मजहब के नाम पर व्यक्ति द्वारा अन्य इंसानों को प्रताड़ित करने के पीछे कौन-सी मानसिकता या विचारधारा है?आखिर एम्सटर्डम में क्या हुआ था? बीते 7 नवंबर को यहां खेले में एक फुटबॉल मैच में इजराइली टीम भारी अंतर से हार गई थी। जब निराश इजराइली प्रशंसक स्टेडियम से बाहर निकले, तब फिलीस्तीन समर्थकों ने अपनी गाडिय़ों में सवार होकर उन्हें दौड़ा-दौड़कर मारना-पीटना शुरू कर दिया। सोशल मीडिया पर इसकी कई वीडियो वायरल है, जिसमें यहूदियों को पीटते, उनका चाकुओं से पीछा करते और सार्वजनिक-निजी संपत्ति को तोडफ़ोड़ करते हुए देखा जा सकता है। कुछ यहूदी अपनी जान बचाने के लिए स्थानीय इमारतों में घुसते और नहर में कूदते भी नजर आए। मामले में 62 लोगों की गिरफ्तारी हुई है, जबकि दस घायल है। नीदरलैंड के प्रधानमंत्री ने कहा, यह एक भयानक यहूदी विरोधी हमला है। हम इसे बर्दाश्त नहीं करेंगे। मैं बेहद शर्मिंदा हूं कि 2024 में नीदरलैंड में ऐसा हो सकता है। अमेरिकी राष्ट्पति जो बाइडन ने भी यहूदियों पर हमले को शर्मनाक और घृणित बताया है।यूरोप में यहूदी-विरोधी हिंसा में काफी वृद्धि हुई है। अकेले नीदरलैंड में वर्ष 2022-23 के बीच यहूदियों पर हमलों में 245 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। हमास के हमले के बाद ब्रिटेन में 550 यहूदी-विरोधी घटनाएं दर्ज हुई है। फ्रांस भी इससे अछूता नहीं है। क्या इस बवाल की जड़ें केवल 7 अक्टूबर 2023 को फिलीस्तीन समर्थक हमास जिहादियों द्वारा इजराइल पर घातक आतंकवादी हमले के बाद इजराइल की अबतक जारी जवाबी सैन्य कार्रवाई (बहुपक्षीय), जिसमें 40 हजार से अधिक लोगों की मौत का दावा किया जा रहा है– उसमें ही मिलती है? सच तो यह है कि यहूदियों को हालिया कारणों से ही नहीं, बल्कि मजहबी कारणों से भी उन्हें सतत उत्पीडऩ का सामना करना पड़ रहा है। विश्व विख्यात इनसाइक्लोपीडिया ब्रिटानिका' में अनुसार, पहली शताब्दी में ईसाइयत के विस्तार के बावजूद अधिकांश यहूदी उसे मजहब के रूप में अस्वीकार करते रहे। इसके परिणामस्वरूप, चौथी शताब्दी तक ईसाइयों ने ईसा मसीह और चर्च को

अस्वीकार करने के कारण यहूदियों को अलग समुदाय मानना शुरू कर दिया। जब ईसाई चर्च रोमन साम्राज्य में प्रभावशाली हुआ, तब उसने रोमन सम्राटों को यहूदी विरोधी कानून बनाने के लिए प्रेरित किया। इनका उद्देश्य ईसाई प्रभुत्व को चुनौती देने वाले किसी भी खतरे को समाप्त करना था। इस कारण यहूदी यूरोपीय समाज में हाशिये पर धकेल दिए गए।इस चिंतन का भयावह रूप मध्यकाल में भी दिखा। वर्ष 1466 में तत्कालीन पोप पॉल-2 के निर्देश पर क्रिसमस के दिन रोम में यहूदियों को सरेआम निवस्त्र करके घुमाया गया था। कालांतर में यहूदी पुजारियों (रब्बी) को जोकर के कपड़े पहनाकर उनका जुलूस निकाले जाने लगा। 25 दिसंबर 1881 को पोलैंड के वारसॉ में 12 यहूदियों को उन्मादी ईसाइयों ने निर्ममता के साथ मौत के घाट उतार दिया, तो कई महिलाओं का बलात्कार तक किया गया। इस प्रकार की प्रताडऩा के असंख्य उदाहरण है। यहूदी-विरोधी अभियानों ने सदियों तक यूरोप में यहूदियों के लिए असुरक्षा, उत्पीडऩ और हिंसा का माहौल बनाया, जो चर्च के समर्थन से यूरोपीय समाज और संस्कृति में गहराई तक समा गई, जिसने आगे चलकर 20वीं शताब्दी में तानाशाह एडोल्फ हिटलर जनित होलोकॉस्ट' का रूप लिया। हिटलर की अगुवाई में ईसाई बहुल जर्मनी ने 1933-1945 के बीच यहूदियों पर भयंकर अत्याचार हुआ था। इसे प्रारंभ में चर्च का मुखर समर्थन प्राप्त था। एक आंकड़े के अनुसार, तब लगभग 60 लाख यहूदियों (15 लाख बच्चे सहित) की हत्या कर दी गई थी। यहूदियों को जड़ से मिटाने के अपने मकसद को हिटलर ने इतने प्रभावी ढंग से अंजाम दिया कि दुनिया की एक तिहाई यहूदी आबादी खत्म हो गई। चूंकि हिटलर का जन्म एक ईसाई परिवार में हुआ था, तो क्या उसे नरपिशाची रूप से यहूदियों के नरसंहार की प्रेरणा सदियों तक चले यहूदी-विरोधी अभियानों से मिली थी?बात यदि भारतीय उपमहाद्वीप की करें, तो वर्ष 712 में अरब आक्रांता मोहम्मद बिन कासिम ने सिंध पर हमला करके भारत में इस्लाम के नाम मजहबी दमन का सूत्रपात किया था। उसी मानस से प्रेरित होकर कालांतर में गजनी, गौरी, खिलजी,तैमूर,तुगलक,बाबर, औरंगजेब, टीपू सुल्तान आदि ने यहां की मूल सनातन संस्कृति और प्रतीकों को क्षत-विक्षत किया और ऐसा उनके मानसपुत्रों द्वारा आज भी हो रहा है। इन्हीं जिहादियों से प्रेरणा से भारत के एक तिहाई क्षेत्र पर इस्लाम का कब्जा (पाकिस्तान-बांग्लादेश) है, जहां इस्लाम-पूर्व संस्कृति के ध्वजावाहकों (हिंदू, सिख और बौद्ध) के लिए कोई स्थान नहीं है।यही नहीं, जब उत्तर-भारत में इस्लामी प्रचार-प्रसार के नाम पर मजहबी शासकों का आतंकवाद चरम पर था, तब 16 वीं शताब्दी में दक्षिण-भारत में जेसुइट मिशनरी फ्रांसिस ज़ेवियर ईसाइयत के प्रचार के लिए भारत पहुंचे थे। उस समय जेवियर ने गोवा इंक्विजीशन' के जरिये से गैर-ईसाइयों के साथ उन सीरियाई और मतांतरित ईसाइयों के खिलाफ भी हिंसक मजहबी अभियान चलाया था, जो रोमन कैथोलिक चर्च का अनुसरण नहीं कर रहे थे। मजहबी मतांतरण का यह कुचक्र अब भी जारी है।क्या कारण है कि स्वघोषित सभ्य-सुसंस्कृत लोग बड़ी बेशर्मी के साथ घृणा के नायकों को गौरवान्वित करते है? यह उपयुक्त ही है कि कोई भी हिटलर का नाम नहीं रखता और उसे गाली का पर्याय माना जाता है। लेकिन क्या स्टालिन-लेनिन जैसे नामों के प्रति भी वैसा तिरस्कार का भाव नहीं होना चाहिए, जिन्होंने अपने शासन के दौरान लाखों मासूमों को उनसे असहमति रखने के कारण मौत के घाट उतार दिया था? देश में एक प्रसिद्ध फिल्मी घराने ने अपने बेटे का नाम तैमूर रखा है। वर्ष 1398 में तैमूर ने भारत पर हमला इसलिए किया था, क्योंकि उसकी शिकायत थी कि तत्कालीन इस्लामी आक्रांता स्थानीय हिंदुओं का वैसा दमन नहीं कर रहे है, जैसा एक काफिर के लिए आपेक्षित है। आखिर यह कौन सी विचारधारा है, जो एक मानव को वीभत्स राक्षस बना देती है?

-बलबीर पुंज-

मानवता के खिलाफ अपराध,नेतन्याहू पर आरोप

बेंजामिन नेतन्याहू अब उन कुख्यात लोगों की सूची में एक है जिन पर मानवता के खिलाफ अपराध करने के आरोप है। लोकतांत्रिक ढंग से चुन कर सत्ता में आए एक नेता का नाम आतंकवादी मोहम्मद डिएफ और युद्धोन्मादी तानाशाह पुतिन जैसों की लिस्ट में आ जाना, इजराइल और विश्व दोनों के लिए सदमे जैसा है। इससे एक ओर कूटनीतिक दृष्टि से कई देश असमंजस में फँसे हैं वही दूसरी ओर अमेरिका के ढोंग का पर्दाफाश भी है।सवाल है आखिर आईसीसी (इंटरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट या अन्तरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय) को यह कठोर फैसला क्यों लेना पड़ा शुरूआत इस साल मई में हुई जब आईसीसी के अभियोजक करीम खान ने नेतन्याहू और इजराइल के पूर्व रक्षा मंत्री युआव गैलेन्ट पर जानते-बूझते गाजा युद्ध में भुखमरी को एक हथियार के तौर पर इस्तेमाल करने और गाजा के नागरिकों पर हमले करने का आदेश देने का आरोप लगाते हुए उनके खिलाफ वारंट जारी करने का अनुरोध किया। हालांकि उन्होंने यह माना कि इजराइल को अपनी रक्षा करने का पूरा हक़ है लेकिन उनका कहना था कि इसके लिए नेतन्याहू ने जो तरीके अपनाए वे अमानवीय थे। खान ने सावधानी बरती और शातिरता से काम लेते हुए इजराइली सैन्य बलों के जनरलों के बजाए राजनैतिक नेताओं को निशाना बनाया। इसके अतिरिक्त, आरोप पत्र में कत्लेआम का आरोप भी नहीं लगाया गया।नेतन्याहू और गैलेन्ट के पास उन सुबूतों को चुनौती देने के लिए पर्याप्त समय था, जिनके आधार पर उन पर मानवता के विरूद्ध अपराध, जिनमें हत्या, उत्पीडऩ और अन्य अमानवीय कार्यों और भुखमरी के हालात बनाने के अपराध शामिल हैं, के आरोप लगाए गए थे। नेतन्याहू स्वयं एक स्वतंत्र आयोग के माध्यम से जांच करवाने की पहल कर सकते थे। लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। कदाचित इसलिए क्योंकि ऐसी किसी भी जांच से 7 अक्टूबर के भयावह घटनाक्रम के पहले उनके द्वारा की गई गलतियां और भूलें भी जांच के दायरे में आ सकती थीं।21 नवंबर को तीन न्यायाधीशों के एक पैनल ने पाया कि यह मानने के पर्याप्त आधार हैं कि इस तरह के अपराध किये गए हैं और इसलिए नेतन्याहू और गैलेन्ट के खिलाफ वारंट जारी किए गए।हालिया घटनाक्रम से खान के तर्क और मज़बूत हुए हैं। संयुक्त राष्ट्रसंघ लगातार उत्तरी गाजा में अकाल की स्थितियों पनपने की चेतावनी दे रहा है क्योंकि वहां पिछले 40 दिनों से न के बराबर मानवीय मदद पहुंच पा रही है।लगभग उसी समय, 7 अक्टूबर के हमले के मास्टरमाइंड हमास नेता मोहम्मद डिएफ के खिलाफ भी वारंट जारी किया गया, जिसके बारे में इजराइल का दावा है कि वह उसे मार चुका है। खान ने इस नरसंहार के योजनकार याहया सिनवार और हमास के तत्कालीन प्रमुख इस्माइल हनीय के खिलाफ भी वारंट जारी करने का अनुरोध किया था। लेकिन इन दोनों अनुरोधों को वापिस ले लिया गया क्योंकि इसी वर्ष इजराइल ने इन दोनों को मौत के घाट

उतार दिया था।इजराइल इस घटनाक्रम से भौचक्का है। नेतन्याहू को इस्तीफा देने की सलाह देने वाले विपक्षी नेता येअर लेपिड ने कहा, नेतन्याहू, सिनवार और डिएफ के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी करना अविश्वसनीय है। इन लोगों की कोई तुलना नहीं है। हमें यह अस्वीकार्य है। यह अक्षम्य है। प्रधानमंत्री के एक अन्य प्रतिद्वंद्वी बैनी गैन्स भी उनके समर्थन में सामने आए। नेतन्याहू ने इन आरोपों पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए इन्हें बेतुका और यहूदी विरोधी बताते हुए खारिज कर दिया। उन्होंने आईसीसी को पक्षपाती और राजनीतिक आधार पर फैसला करने वाली संस्था बताया।पहली बात यह है कि आईसीसी का फैसला न तो यहूदी-विरोधी है और ना ही पक्षपातपूर्ण। व्लादिमिर पुतिन के खिलाफ भी बच्चों को जबरदस्ती यूक्रेन से रूस भेजने के आरोप में गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया है, जहां बहुत से रूसी परिवारों ने उन्हें गोद ले लिया है। यह वारंट भी लगभग वैसे ही आधरों पर जारी हुआ है।जहां तक इन आपत्तियों का सवाल है कि आईसीसी के न्यायाधीश इजराइल और हमास को एक तराजू में तौल रहे हैं, उसमें इसलिए दम नहीं है क्योंकि एक हत्यारा तो आखिरकार एक हत्यारा ही होता है, भले ही उसका दर्जा, उसकी राजनीति या विचारधारा कुछ भी क्यों न हो।इजराइल का यह तर्क भी खोखला है कि यह मामला आईसीसी के क्षेत्राधिकार के बाहर है। इसका मतलब यह है कि यदि नेतन्याहू इन देशों में से किसी की भी यात्रा पर जाएं तो उन्हें गिरफ्तार करना उस देश के लिए अनिवार्य होगा। कुल मिलकर नेतन्याहू अब केवल इजराइल में सुरक्षित हैं।लेकिन इस पूरे घटनाक्रम से जो बात साफ़ उभर कर सामने आती है वह है अमेरिका का दोगलापन। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने बिना देरी किये इस फैसले की आलोचना की और उसे चौंकाने वाला बताया। अमेरिका ने कभी आईसीसी का समर्थन नहीं किया है। डोनाल्ड ट्रंप ने अपने पहले कार्यकाल के दौरान अमेरिकी सैनिकों पर लगे युद्ध अपराधों की जांच आईसीसी द्वारा किए जाने पर रोक लगा दी थी। लेकिन जो बाइडन ने यह रोक हटा दी और न्यायालय के साथ भागीदारी करके रूसी राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन के खिलाफ युद्ध अपराधों के आरोप लगाने की प्रक्रिया को आगे बढ़ाया था। अतीत में अमेरिका सूडान के पूर्व नेता उमर अल-बशीर के मामले में भी ऐसा ही कर चुका है।दुनिया भर में अब अमेरिका के रवैये की चर्चा हो रही है। इजराइल के स्वयं की रक्षा करने के अधिकार और 7 अक्टूबर के नरसंहार का बदला लेने को कोई गलत नहीं मानता, लेकिन गाजा में बेरहमी से की गई सैन्य कार्यवाही में किए गए अंधाधुंध हमलों में लगभग 40,000 फिलिस्तीनियों को, जिनमें से अधिकांश साधारण नागरिक थे, जान गंवानी पड़ी है। इसके अलावा लाखों अन्य लोग बेइंतिहा कष्ट भोग रहे हैं। यह तो ठीक नहीं है। यह तो गलत है। क्या यह अमानवीय नहीं है? क्या निहत्थे बेकसूर लोगों को बदले की कार्यवाही का निशाना बनाना ठीक है?यह लगभग निश्चित है कि अगले साल डोनाल्ड ट्रंप के सत्ता संभालने के बाद बहुत कुछ बदल जाएगा, पलट जाएगा। लेकिन यदि पुतिन के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी करना उचित है, अफ्रीकी नेताओं के खिलाफ ऐसा किया जाना स्वीकार्य है, और उसी क्रम में यदि बेंजामिन नेतन्याहू के मामले में भी ऐसा ही किया जाता है, तो यह पूरी तरह औचित्यपूर्ण है। आखिर क्यों ऐसा नहीं होना चाहिए? क्या अपनी पसंद-नापसंद के आधार पर नियम-कानून लागू किए जाने चाहिए? क्या लोकतांत्रिक ढंग से चुना गया एक विकसित या विकासशील देश का नेता सत्ता हाथ से खिसकती देख नरसंहार करने पर आमादा नहीं हो सकता? नेतन्याहू ने यही किया है।

-श्रुति व्यास-

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

कहानी
ख्वाहिश-ए-दिल

प्रिया देवांगन प्रियू
राजिम गरियाबंद छत्तीसगढ़

शर्मा जी! हमें और हमारे बेटे राहुल को आपकी बेटी नेहा पहली नजर में ही पसंद आ गई। इस बारे में आप लोगों का क्या विचार है? हम जल्द ही जानना चाहते हैं।

जी....जी...तिवारी जी; ये तो बहुत ही शुभ समाचार है। शादी पक्की हो इससे पहले मैं आप लोगों के समक्ष अपनी कुछ बातें रखना चाहता हूँ। अरे.....! क्या बात है शर्मा जी; आप निश्चिंत रहिए। हम दहेज-वहेज के पक्ष में बिल्कुल नहीं हैं आप अपना दिल ठंडा रखिए; इस मामले में। तिवारी जी हँसते हुए बोले।

दरअसल, बात यह है कि हमारी बेटी नेहा को कत्थक नृत्य बहुत पसंद है। नेहा हर प्रतियोगिता में अपनी सहभागिता प्रदान करती है। नेशनल-इंटरनेशनल तक के कंपीटिशन में फर्स्ट आई है।दूर-दूर देश-विदेशों में इसके नृत्य की प्रशंसा होती रहती है। मेरी ख़्वाहिश-ए-दिल है कि मेरी बेटी शादी के बाद भी अपना सपना पूरा करें और हमारा नाम यूँ ही रौशन करती रह

मि.और मिसेज तिवारी जी एक-दूसरे को देख खुसुर-फुसुर करने लगे। नेहा के हृदय में चिंता की काली घटाएं उमड़ रही थीं; चेहरे में फीकापन दिखाई दे रहा था क्योंकि रिश्ता बहुत अच्छा था; लेकिन उससे भी ज्यादा जरूरी है सपनों को उड़ान देना!

थोड़ी देर बाद मिसेज तिवारी सोफा से उठ हाथ आगे कर बोली- देखिए भाई साहब; आजकल की लड़कियाँ घर में कैद नहीं रहना चाहती हैं, इन लड़कियों से हम भलीभांति परिचित हैं। लेकिन हमारी नेहा तो....बीच में ही टोकती हुई मिसेज शर्मा बोली। मिसेज शर्मा......! मेरी बातें अभी पूर्ण नहीं हुईं। आप लोगों को क्या लगा? हम आपकी बातें सुन रिश्ते से इनकार कर देंगे; सभी की नज़रें मिसेज तिवारी पर टिकी हुईं थीं। इतना सुनने के बाद नेहा की धड़कनें और बढ़ने लगीं।

नहीं-नहीं..... भाई साहब! हमारी सोच इतनी छोटी नहीं है कि हम नेहा के सपनों को कैद कर रसोई तक ही सीमित रखें। हमारी बेटी नहीं है तो क्या हम आपके हृदय की बातें नहीं समझ पाएंगे? मैं भी तो किसी की बेटी हूँ न? आप अपनी सारी चिंताओं को डस्टबिन में फेंक आइए; और हाँ अब से नेहा हमारी हुई। ऐसा बोलकर मिसेज तिवारी ने नेहा को गले से लगा लिया। वाह! क्या बात है आज मैं धन्य हुआ; आप लोगों से रिश्ता जोड़ कर। तिवारी जी आप लोगों ने हम सब का मान रखा। शर्मा जी के साथ-साथ उनके घर के सभी लोगों के होठों पर हँसी और आँखों में खुशियों के मोती चमकने लगे।

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

प्रधान आरक्षक के पत्नी व बेटी की हत्या मामले में आरोपी की मदद करने वाला आरक्षक बर्खास्त

» आरोपी कुलदीप साहू की मदद करने वाला आरक्षक बर्खास्त...एसपी ने की कार्यवाही...

» सूरजपुर थाने में पदस्थ प्रधान आरक्षक तालिब शेख की पत्नी व बेटी की हत्या का आरोपी व जिलाबदर कुलदीप साहू का हत्याकांड के बाद आरक्षक ने की थी मदद...

- संवाददाता -
सूरजपुर, 29 नवम्बर 2024 (घटती-घटना)।

सूरजपुर के पुलिस अधीक्षक में एक बड़ी कार्यवाही करते हुए पुलिस वालों को एक नसीहत भी दे दी है वह नसीहत यह है कि आरोपियों को संरक्षण देना व उनका सहयोग करना पुलिसकर्मी छोड़ दें वरना उन पर भी कार्यवाही होने में देर नहीं लगेगी ऐसा ही कुछ सूरजपुर जिले में देखने को मिला जब सूरजपुर थाने में पदस्थ प्रधान आरक्षक तालिक शेख की पत्नी व बेटी की हत्याकांड के मुख्य व कुख्यात आरोपी जिलाबदर कुलदीप साहू इन दिनों जेल में है। पुलिस पर कुलदीप साहू से साठगांठ के आरोप लगे थे। इससे पुलिस की भी खूब किरकिरी हुई थी। पुलिसिया साठगांठ को उजागर करने आईजी ने कोरिया एएसपी मोनिका ठाकुर व बलरामपुर एसडीओपी एम्मानुएल लकड़ा को जांच का जिम्मा दिया था। जांच में यह बात निकलकर सामने आई कि सूरजपुर में पदस्थ आरक्षक प्रदीप साहू ने प्रधान आरक्षक की पत्नी व बेटी की हत्या में शामिल आरोपी कुलदीप साहू की मदद की है। पुख्ता सबूत मिलने के बाद सूरजपुर एसएसपी प्रशांत कुमार ठाकुर ने आरक्षक को बर्खास्त कर दिया है।

गौरतलब है कि 13 अक्टूबर की रात सूरजपुर थाने में पदस्थ प्रधान आरक्षक तालिक शेख की पत्नी व बेटी की नृशंस हत्या कर दी गई थी। मामले का मुख्य आरोपी सूरजपुर के बाजारपारा निवासी जिलाबदर कुलदीप साहू फरार था। 14 अक्टूबर को मां-बेटी का शव मिलने के बाद से पुलिस कुलदीप साहू की तलाश कर रही थी। बताया जा रहा है कि 14 अक्टूबर को ही जब लोगों ने कुलदीप साहू का घर जलाया था, उस दौरान सूरजपुर थाने में पदस्थ आरक्षक प्रदीप साहू ने हत्याकांड के सहयोगी आरोपी सूरज साहू की मदद से कुलदीप की मां से घर में रखे 2 लाख रुपए निकलवाए थे। इसकी जानकारी भी आरक्षक ने अपने उच्चाधिकारियों को नहीं दी थी। यह घोर लापरवाही वाला कृत्य है।

आरक्षक के मोबाइल में 18 बार किया गया था कॉल

पुलिस का मानना है कि आरक्षक प्रदीप साहू द्वारा निकलवाए गए रुपयों को फरार कुलदीप उपयोग कर सकता था। वहीं आरक्षक द्वारा डबल मर्डर के सह आरोपी सूरज साहू की बात संतोष साहू से कराई थी। बताया जा रहा है कि आरक्षक के मोबाइल से संतोष साहू के फोन पर 18 बार कॉल किया गया था। यदि पैसा मिल गया होता तो आरोपी फरार हो सकता था और पुलिस को पकड़ने में और दिन लग सकते थे। अपने पुलिस विभाग की मदद ना करके आरोपी की मदद करना कहीं ना कहीं पूरे पुलिस को बदनाम करने जैसी स्थिति निर्मित कर दी आरक्षक ने।

सूरजपुर पुलिस अधीक्षक ने आरक्षक को किया बर्खास्त

जांच में आरक्षक द्वारा कुलदीप साहू के परिजनों ने लगातार संपर्क की बात उजागर हुई थी। जबकि आरक्षक को यह पता था कि आरोपी कुलदीप साहू प्रधान आरक्षक की पत्नी व बेटी का हत्यारा है। आरक्षक द्वारा आरोपियों की मदद का पुख्ता सबूत मिलने के बाद एसएसपी ने उसे पद से बर्खास्त कर दिया। साथी एसपी नहीं भी साफ कर दिया कि जिले में पुलिसकर्मी यदि आगे भी ऐसा कोई कृत करते हैं तो सजा के लिए तैयार रहे क्योंकि ऐसा अक्सर देखा जाता था कि पुलिस के ही सहयोग से आरोपी वह अवैध कारोबारी को संरक्षण मिलता था ऐसे कार्यवाही के बाद अब शायद कोई पुलिस कर्मी संरक्षण देने का काम करेगा सूत्रों की माने तो एक ऐसी कार्रवाई एक और के साथ हो सकती है जिसका नाम का खुलासा भी नहीं हुआ है।

गांजा बेचने कर रही थी ग्राहक की तलाश, महिला गिरफ्तार

- संवाददाता -
अंबिकापुर,29 नवम्बर 2024 (घटती-घटना)।

मणिपुर पुलिस ने गांजा के साथ एक महिला को गिरफ्तार किया है। लिस ने उसके पास से 562 ग्राम गांजा जब्त किया है। जिसे वह बेचने के नए ग्राहक की तलाश कर रही थी। पुलिस ने महिला के खिलाफ कार्रवाई र जेल दाखिल कर दिया है। 29 नवंबर को मणिपुर थाना प्रभारी एसआई खिलेश सिंह को मुखबिर से जानकारी मिली की ग्राम हर्राटिकरा में एक हिला गांजा बेचने के लिए ग्राहक की तलाश कर रही है। मुखबिर की चना पर पुलिस ग्राम हर्राटिकरा पहुंचकर महिला को हिरासत में लिया और सके पास रखे झोले की तलाशी ली तो 562 ग्राम गांजा पाया किया। जिसे लिस ने जब्त किया है। जब्त गांजे की कीमत 6 हजार रुपए बताई जा रही । मामले में पुलिस ने आरोपी महिला सहोदरी मानिकपुरी उम्र 40 वर्ष वासी हर्राटिकरा को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके खिलाफ बीएनएस ी धारा 20 (बी) के तहत कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

सीजीपीएससी में अंबिकापुर के दो अभ्यर्थियों को मिली सफलता

» प्राइवेट स्कूल के शिक्षक व मजदूर के बेटे का हुआ चयन...

- संवाददाता -
अंबिकापुर,29 नवम्बर 2024 (घटती-घटना)।

सीजीपीएससी का रिजल्ट गुरुवार की रात को घोषित कर दिया गया है। इसमें अंबिकापुर के भी 2 युवकों को सफलता मिली है। प्राइवेट स्कूल के शिक्षक के बेटे शिशिर द्विवेदी को 24 वां रैंक प्राप्त हुआ है। वहीं मजदूर के बेटे पंकज यादव को 90 वां रैंक प्राप्त हुआ है।

शिशिर द्विवेदी अंबिकापुर के मायापुर का रहने वाला है। इनके पिता सुरेंद्र द्विवेदी प्राइवेट स्कूल के शिक्षक हैं व माता वंनदा द्विवेदी गृहणी हैं। शिशिर अपने माता-पिता का इकलौता संतान हैं। इनकी प्राथमिक शिक्षा विक्टोरिया पब्लिक स्कूल से हुई है। ये वर्ष 2015 में कक्षा 10 वीं की परीक्षा पास की थी। इसके बाद कक्षा 11वीं व 12 वीं की पढ़ाई कॉर्मेल स्कूल से किया है। ये शुरू से मेधावी रहे हैं। इसके बाद साईं बाबा कॉलेज से बीएससी मैथ्स से किया था और गोल्ड मेडिलिस्ट रहे थे। इसके बाद पोस्ट ग्रेजुएशन व एमएसी की पढ़ाई पीजी कॉलेज से पूरी की है। एमएसी फिजिक्स में भी गोल्ड मेडिलिस्ट रहा है। इसके बाद अगस्त 2022 से पीएससी की तैयारी में जुट गया था। शिशिर ने बताया कि अगस्त 2022 में पीएससी की तैयारी में जुट गया था। वह बिलासपुर में कुछ महीनों तक रहकर प्री का कोचिंग किया था। इसके बाद वह अंबिकापुर वापस आ गया था। इसके बाद कोई कोचिंग क्लास नहीं किया। घर में ही रहकर पढ़ाई करता था और तैयारी में लगा रहा। वह बताता है कि मैं हर दिन 7-8 घंटे पढ़ाई करता था। इसके लिए कोई टाइम टेबल नहीं थे। उन्होंने बताया कि मध्यम परिवार के होने के बावजूद भी मेरे माता-पिता काम के प्रति किसी तरह का कोई दबाव नहीं डाले। पढ़ाई के लिए प्रेरित करते रहे। यहीं कारण है कि सीजीपीएससी में सफलता मिली है। आगे यूपीएससी निकालना मेरा लक्ष्य है।

ठेला चलाते हैं पंकज के पिता, 5 वें प्रयास में मिली सफलता

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 29 नवम्बर 2024 (घटती-घटना)।

अम्बिकापुर के बौरीपारा निवासी पंकज यादव को 5 वें प्रयास में सफलता मिली है। वह सीजीपीएससी में 90 वां रैंक हांसिल किया है। इनके पिता रामेश्वर यादव मजदूर हैं। ठेला चलाकर परिवार का जीवन यापन करते हैं।

माता रायवति गृहणी हैं। पंकज दो भाई व दो बहन हैं। भाई व बहन की शादी हो चुकी है। इनका परिवार गरीबी के बीच संघर्ष किया है। इन्होंने अपनी प्राथमिक शिक्षा मल्टीपरपज स्कूल से की है। इसके बाद साई बाबा कॉलेज से बीएसी कंप्यूटर से किया है। एमएससी की पढ़ई पीजी कॉलेज से पूरी की है। पंकज यादव बिलासपुर में रहकर वर्ष 2019 से पीएससी की तैयारी में लगा था। पर वह सफल नहीं हो पा रहा था। इंटरव्यू में 3 बार छंटने के बाद वह हिम्मत नहीं हारी और वर्ष 2023 में पुनः प्रयास किया और सफलता मिली। वह अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता को देना चाहते हैं। वह बताते हैं कि मेरे पिता मजदूर होने के बावजूद भी मुझपर किसी तरह का दबाव नहीं डाले। इस लिए में लगातार प्रयास करता रहा। माता-पिता के धैर्य के कारण ही आज मैं सफल हो पाया हूं।

कोल ब्लॉक को लेकर फर्जी ग्राम सभा का आरोप,कराई जाए जांच

- संवाददाता -
अंबिकापुर,29 नवम्बर 2024 (घटती-घटना)।

जिला पंचायत सामान्य सभा की ठक में जिला पंचायत अध्यक्ष मधु ंह एवं जिला पंचायत उपाध्यक्ष ादित्येश्वर शरण सिंह देव ने कहा क परसा कोल ब्लॉक को लेकर गातार फर्जी ग्राम सभा की ाकायत आती रही जो मामला बाद अनुसूचित जनजाति आयोग के ास पहुंचा था जहां से सुनवाई के ाद यह रिपोर्ट सामने आयी थी कि ह ग्राम सभा फर्जी है। चूंकि आयोग रकार की ही एक इकाई है ऐसे में सकी रिपोर्ट को संज्ञान में लेना ाहिये। जिला प्रशासन व जिला चायत की ओर से ग्राम सभा को कर जो भी जांच के लिये नियम हो सके अनुसार भी जांच कराई जाये। दयपुर के जिला पंचायत सदस्य जनाथ सिंह ने कहा कि यह बहुत रूरी है सरकार कर नियम मोला मझ नई आएल बुखार लेत है मोला सुई लगात हैं जिला पंचायत दस्य सुनील ला ये कौन सा नियम । जब पेड़ कटाई सरगुजा में तो क्षारोपण भी यहीं हो। वहीं जिला चायत उपाध्यक्ष आदित्येश्वर शरण ंह देव ने पिछले दौरान कटाई के रान उपजे आक्रोश के समय जो मीणों पर एफआईआर हुई है, उसे ापस लेने हेतु सभी सदस्यों ने पनी ओर से सहमति का प्रस्ताव पारित किया। वहीं आदित्येश्वर शरण सिंह देव ने कहा कि उदयपुर में चल रहे इन कोल खदानों का एवं नये खुलने वाले खदानों का रामगढ़ के पहाड़ पर क्या प्रभाव पड़ रहा है उसका अध्ययन वन विभाग एवं ए एसआई के माध्यम से सर्वेक्षण कराया जाये।

सामान्य प्रशासन की बैठक में महामाया पहाड़ पर अतिक्रमण सहित वनाधिकार पत्र जैसे विषयों पर चर्चा करते हुए जिला पंचायत उपाध्यक्ष आदित्येश्वर शरण सिंह देव ने कहा कि महामाया पहाड़ में एक बार वृहद स्तर पर कैम्प लगाकर वनाधिकार के लंबित मामलों का सबसे पहले निराकरण किया जाये साथ ही वनाधिकार पत्र के अलावे बाकी अतिक्रमित क्षेत्र को मुक्त कराते हुए उसे रिजर्व फारेस्ट के रूप में विकसित किया जाये साथ ही महामाया पहाड़ को संरक्षित वन के रूप में विकसित किया जाये। किन्तु इसके पहले नजूल, राजस्व एवं वन विभाग अपने अपने क्षेत्र का सीमांकन कर दें ताकि एक सीमा रेखा खींची जा सके और सुरक्षित पहाड़ के रूप में संरक्षित किया जाये। दो बार पहले भी जांच हो चुका है वहां पर और जांच रिपोर्ट भी आई है साथ ही शहर के बगल के क्षेत्र है तो लोगों के बसने को लेकर काफी सहूलियत वाला क्षेत्र लोगों को लगता है। ऐसे में यदि एक बार कड़ाई से संरक्षित करने को लेकर एकजुट हो जायें तो नये मामलों पर रोक लगे साथ ही एक पहाड़ के अगल-बगल के ग्रामों को सामुदायिक वनाधिकार का पट्टा दे दिया जाये जिससे इस पहाड़ का संरक्षण हो सकें।

परिसीमन में गड़बडी का आरोप

त्रिस्तरीय पंचायती राज व्यवस्था के चुनाव को लेकर हुए परिसीमन को लेकर सामान्य प्रशासन एवं सामान्यसभा दोनों में जिला पंचायत सदस्यों एवं जनपद सदस्यों ने जम कर सवाल खड़े किए। जिला पंचायत सदस्य राकेश गुप्ता ने कहा कि पंचायतों का परिसीमन तो नहीं हुआ लेकिन वोटरों का परिसीमन वोटर लिस्ट में कर दिया गया। कहीं पंचों को दूसरे वार्डों में डाल दिया गया है तो कहीं तो सरपंचों के नाम ही गांव से गायब कर दिए गये हैं। वहीं जनपद सदस्य क्षेत्रों का परिसीमन जो किया गया वह भौगोलिक न होकर राजनीतिक प्रभाव में किया जा रहा है। जिसमें काफी त्रुटियां हैं, जो हमें स्वीकार्य नहीं है। इस संबंध में जिला पंचायत सीईओ ने कहा कि यह पुरा कार्य राजस्व विभाग के अधिकारियों के अधीन था, हम आपकी बातों को वहां तक पहुचायेंगे साथ ही वोटर लिस्ट में नाम सुधार और जोडने् की प्रक्रिया को स्थानीय स्तर पर सुधरवाया जा सकता है।

मध्यान्ह भोजन को लेकर उठे सवाल

स्कूली शिक्षा विभाग में मध्यान्ह भोजन व्यवस्था का धरातल पर सही तरीके से संचालन को लेकर कई तरह आ रही शिकायत आ रही है,जहां इस विषय पर जिला पंचायत सदस्य लगातार सवाल करते रहे, वहीं जनपद अध्यक्षों ने भी मध्यान्ह भोजन योजना के सही तरीके से संचालन को लेकर सवाल उठाये। वहीं कई जगह से जिला एवं जनपद सदस्यों ने यह भी जानकारी दी पिछली बार जब जर्जर स्कूलों को गिराया गया तो मध्यान्ह भोजन शेड टूट गये हैं और शौचालय के साथ दीवाल के किनारे मध्यान्ह भोजन की व्यवस्था की गई है, जो काफी बदहाल है।वहीं नालंदा परिसर हेतु वृहद संख्या में बच्चों की उपस्थिति को देखते हुए पुराने डाइट परिसर को नालंदा परिसर लायब्रेरी के लिए सभी ने प्रस्तावित करते हुए कलेक्टर को भेजने की सभी ने सहमति दी।

इस सीजन में अब तक का गुरुवार की रात रही सबसे ज्यादा ठंड,37 वर्षों का टूटा रिकॉर्ड

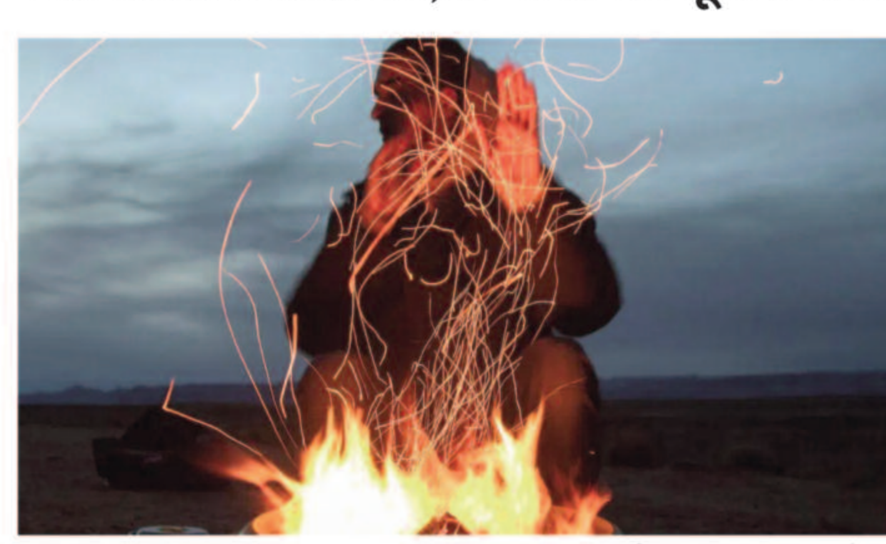

- संवाददाता -
अंबिकापुर,29 नवम्बर 2024 (घटती-घटना)।

उत्तर-पश्चिम दिशा से आ रही शुष्क हवाओं के कारण सरगुजा संभाग में पिछले 12 दिनों से कड़ाके की ठंड पड़ रही है। मौसम वैज्ञानिक के अनुसार गुरुवार की रात का अंबिकापुर का न्यूनतम तापमान 7.2 डिग्री था, जो इस सीजन का अब तक सबसे ठंड रहा। वहीं पिछले 37 वर्षों का रिकॉर्ड टूटा है। सन 1988 में नवम्बर में अंबिकापुर का न्यूनतम तापमान 6.9 डिग्री दर्ज हुआ था, उस वर्ष भी यह स्थिति 29 नवम्बर को ही बनी थी।

मौसम वैज्ञानिक एएम भट्ठ के अनुसार सरगुजा संभाग शीतलहर की चपेट में है। उत्तर-पश्चिम दिशा से आ रही बर्फिली हवा के कारण कड़ाके की ठंड पड़ रही है। वर्षो बाद यहां सरगुजिहा ठंड का तेवर देखने को मिला है। गुरुवार को अंबिकापुर का न्यूनतम तापमान 7.2 डिग्री दर्ज किया गया है। जो इस सीजन का अब तक का सबसे ठंड रहा है। सन 1988 में नवम्बर में अंबिकापुर का न्यूनतम तापमान 6.9 डिग्री दर्ज हुआ था, उस वर्ष भी यह स्थिति 29 नवम्बर को ही बनी थी। 1988 के बाद अर्थात 37 वर्षों बाद अम्बिकापुर में नवम्बर 29 नवंबर 2024 को न्यूनतम तापमान सबसे कम दर्ज हुआ है।

नवम्बर में न्यूनतम तापमान का रिकार्ड 30 नवम्बर 1970 को 4.2 डिग्री का है।

न्यूनतम तापमान के रिकार्ड

30 नवम्बर 1970	-	4.2 डिग्री
27 नवम्बर 1981	-	6.0 डिग्री
23 नवम्बर 1975	-	6.2 डिग्री
28 नवम्बर 1984	-	6.4 डिग्री
30 नवम्बर 1974	-	6.5 डिग्री
30 नवम्बर 1982	-	6.5 डिग्री
29 नवम्बर 1988	-	6.9 डिग्री
26 नवम्बर 1973	-	7.2 डिग्री
29 नवम्बर 2024	-	7.2 डिग्री
29 नवम्बर 1985	-	7.5 डिग्री

तापमान 10 डिग्री से नीचे रहने का भी रिकॉर्ड

पिछले 12 दिनों से नगर का न्यूनतम तापमान 10 डिग्री के स्तर के लगातार नीचे बना हुआ है। यह भी अपने आप मे एक रिकॉर्ड स्थापित करता है। नवम्बर के तापमान के आंकड़ों में न्यूनतम तापमान के लगातार 10 डिग्री से नीचे बने रहने का रिकॉर्ड सन 1970 में 16 दिनों का रहा है। इसके बाद 55 वर्षों के अंतराल मे इस वर्ष सर्वाधिक पिछले 12 दिनो से नवम्बर में नगर का न्यूनतम तापमान 10 डिग्री के नीचे है।

CMYK

शिक्षक के अथक प्रयास से शाला त्यागी हुए बच्चे दोबारा शाला में निरंतर शिक्षा ग्रहण कर रहे...

» बच्चों की शिक्षा को संवारने के लिए शिक्षक दिनेश ने की अनोखी पहल

-अनिल मानिकपुरी-
अंबिकापुर,29 नवंबर 2024
घटती घटना।

शिक्षा बहुत जरूरी है,पर कई बार ऐसी परिस्थिति आ जाती हैं कि बच्चे कम उम्र में ही शिक्षा से वंचित होने का दंस झेलने लगते हैं। आर्थिक स्थितियों व परिस्थिति भी उन्हें शिक्षा से दूर कर देती है। पर यदि सही समय पर किसी की सलाह मिल जाए, सहयोग मिल जाए,तो ऐसे लोगों का जीवन संवर सकता है। कुछ ऐसा ही कार्य शिक्षक दिनेश मिश्रा ने कर दिखाया। दो ऐसे बच्चों को उन्होंने फिर से स्कूल में अध्ययन कराने का प्रयास किया, जो अपने घरेलू परिस्थितियों की वजह से सालों से शिक्षा से दूरी बना लिए थे।

हम बात कर रहे हैं सरगुजा जिले के ग्राम पंचायत मुडेसा शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला के छठवीं कक्षा के दो बच्चों की निरंतर शाला से अनुपस्थित रहने पर वे शाला त्यागी हो चुके थे, आपको बता दें कि वहां पदस्थ शिक्षक दिनेश मिश्रा ने बताया कि हमारे शाला में कुमारी बबिता और कुमारी भारती सिंह लगातार लगभग एक माह से अनुपस्थित रह रही थी। जिसे पता करने पर पता चला कि बबीता सिंह की मां की मृत्यु कुछ दिन पहले हो चुकी, उसके घर में और कोई नहीं है,घर का पूरा जिम्मा बबीता के ऊपर था,इसी वजह से स्कूल में लगातार अनुपस्थित रहती रही,वही हम बात करें मुडेसा की छात्रा कुमारी भारती राजवाड़े के पिता का अचानक अकाल मृत्यु हो गई, जिससे भारती राजवाड़े की जिम्मे पर पूरा घर का देखा होना पाया गया, जिसके कारण वह भी अपने स्कूल से काफी दिनों तक अनुपस्थित रह रही थी। और वह भी शाला त्यागी चुकी थी। श्री मिश्रा का कहना है कि मेरे काफी प्रयास और बार-बार घर में जाकर दोनों बच्चे को समझा बुझाकर उनको फिर से स्कूल में दाखिल करवाया गया है,अब वह दोनों बच्चे निरंतर अपने स्कूल में शिक्षा का लाभ ले रही है। मिश्रा का कहना है कि हर कोई शिक्षक इस तरह से और भी स्कूल में बच्चे अनुपस्थित अगर पाए जाते हो तो वहां के जो भी शिक्षक हैं उन बच्चों के ऊपर विशेष ध्यान देकर विशेष पहल करे, ताकि उस बच्चे का भविष्य फिर से संवरने लगे और बच्चे अच्छा शिक्षा प्राप्त कर सके।

वास्तव में शिक्षा के अलग जगाने वाले शिक्षक यदि तन मन धन से चाह ले तो समाज में कोई भी बालक बालिका शिक्षा से वंचित नहीं रह सकते।

अवैध मादक पदार्थ गांजा का सेवन करने के मामले मे सरगुजा पुलिस की सख्त कार्यवाही, मामले मे 02 आरोपी किये गये गिरफ्तार

» थाना कोतवाली पुलिस टीम द्वारा अभियान के तहत की गई कार्यवाही, अवैध मादक पदार्थ के सेवन पर भी सख्ती से कार्यवाही।

» आरोपियों के कब्जे से चिलम भरा गांजा, कपडे का टुकड़ा, गांजा लगभग 10 ग्राम, बीड़ी और माचिस किया गया जप्त।

» आपराधिक गतिविधियों मे शामिल व्यक्तियों के विरुद्ध लगातार की जा रही वैधानिक कार्यवाही।

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 29 नवम्बर 2024
(घटती-घटना)।

सरगुजा पुलिस द्वारा अवैध मादक पदार्थो की खरीद बिक्री एवं सेवन पर प्रभावी नियंत्रण किये जाने के क्रमांक मे लगातार अभियान चलाकर कार्यवाही की जा रही हैं, इसी क्रम मे मामले का संक्षिप्त विवरना इस प्रकार हैं कि दिनांक 29/11/24 को थाना कोतवाली पुलिस टीम कों जरिये मुखबीर सुचना मिला कि सत्तीपारा दीवान तालाब सार्वजनिक शौचालय के बगल में बैठ कर कुछ लोग अवैध मादक पदार्थ गांजा का सेवन कर रहे हैं।

सूचना पर त्वरित कार्यवाही करते हुए पुलिस टीम द्वारा सत्तीपारा दीवान तालाब पहुंचकर देखा गया, जो तालाब के पास सार्वजनिक शौचालय के बगल में कुर्सी मे बैठे हुए दो व्यक्ति अवैध मादक पदार्थ गांजा का सेवन करते मिले, संदिग्धो से पूछताछ किये जाने पर अपना नाम (01) कन्हैया नामदेव उम्र 28 साल साकिन सत्तीपारा थाना अम्बिकापुर (02) देवेन्द्र पावले उम्र 24 साल साकिन सत्तीपारा थाना अम्बिकापुर का होना बताये, आरोपियों से घटना के सम्बन्ध मे पूछताछ किये जाने पर घटना कारित किया जाना स्वीकार किया गया, आरोपियों के कब्जे से घटना मे प्रयुक्त चिल्लम भरा गांजा सहित, चिल्लम के निचे लगा कपड़े का टुकड़ा, पेपर में रखा गांजा लगभग 10 ग्राम, प्लास्टिक पन्नी में रखा बिड़ी 17 नग, माचिस 01 नग, तथा जमीन में गिरे जले हुए माचिस के तिल्ली करीब 07 नग जप्त किया गया हैं, आरोपियों के विरुद्ध अपराध सबूत पाये जाने से थाना कोतवाली मे अपराध क्रमांक 851/24 धारा 27 एन.डी. पी. एस. एक्ट का अपराध पंजीबद्ध कर आरोपियो कों गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा मे भेजा जाता हैं।

सम्पूर्ण कार्यवाही मे थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक मनीष सिंह परिहार, उप निरीक्षक दिलिप दुबे, आरक्षक दीपक दास, चंचलेश सोनवानी, अमित राजवाड़े शामिल रहे।

अभाविप ने आयोजित किया निर्भर नहीं निडर छात्राओं को सिखाएं आत्म रक्षा के गुण

» मिशन साहसी के माध्यम से हजारों छात्राओं को दिया गया आत्मरक्षा प्रशिक्षण

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 29 नवम्बर 2024
(घटती-घटना)।

बीते दिन अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद अंबिकापुर नगर द्वारा पिछले कई दिनों से नगर के विभिन्न महाविद्यालय एवं स्कूलों में छात्राओं को आत्मरक्षा का प्रशिक्षण दिया जा रहा था। इसी क्रम में नगर के राजमोहिनी देवी कॉलेज के मैदान में मेगा डेमोंस्ट्रेशन के माध्यम से हजारों छात्राओं को आत्मरक्षा का प्रशिक्षण दिया गया। कार्यक्रम में उपस्थित अभाविप छत्तीसगढ़ प्रदेश के प्रदेश मंत्री श्री यज्ञदत्त वर्मा जी ने बताया कि हाल ही में कोलकाता में हुई घटना से हमें यह सिखने को मिलता है कि हमें अपनी रक्षा के लिए आत्मरक्षा के गुण सीखना कितना जरूरी है। विद्यार्थी परिषद पूरे भारत में लाखों छात्राओं को ÷मिशन साहसी÷ के माध्यम से आत्मरक्षा का प्रशिक्षण दे चुकी है और आगे भी इसी दिशा में कार्य जारी रखेगी।

उन्होंने आगे कहा कि बहनों के साहस का एक अद्भुत उदाहरण रिमा सिन्हा हैं, जिन्होंने एक हादसे में अपना एक पैर खो दिया था। जब उनके परिवार वाले सोचते थे कि अब वह क्या करेंगी, तब रिमा ने कहा कि वह माउंट एवरेस्ट फतह करेंगी। उस समय लोग उन पर हंसते थे, लेकिन रिमा ने हार नहीं मानी। वह बछेंद्री पाल से मिलीं और उनसे कहा कि वह माउंट एवरेस्ट चढ़ना चाहती हैं। बछेंद्री पाल ने उनका उत्साह बढ़ाया और आज रिमा ने माउंट एवरेस्ट को फतह किया। यह साहस और संकल्प की मिसाल है, जो हम सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

प्रशिक्षण देने वाले शिक्षक, ब्लैक बेल्ट श्री अमन गुप्ता और उनकी टीम ने छात्राओं को उपयोगी वस्तुएं जैसे पर्स, पेन, सैंडल, और अन्य वस्तुओं से आत्मरक्षा के विभिन्न तरीके सिखाए।

कार्यक्रम में राजमोहिनी देवी कन्या महाविद्यालय की जनभागीदारी अध्यक्ष श्रीमती मंजूषा भगत ने कहा कि आज समाज में महिलाओं को आत्मरक्षा के गुण सीखना अत्यंत आवश्यक है। हमें झांसी की रानी की तरह सशक्त बनने की आवश्यकता है।

नगर मंत्री सत्येंद्र मिश्रा (रॉनी) ने कहां

÷इस कार्यक्रम की सफलता में सभी का योगदान सराहनीय है। मैं विशेष रूप से शिक्षकों, छात्राओं, चिकित्सा विभाग, पुलिस प्रशासन, नगर निगम और अन्य सहयोगी संस्थाओं का धन्यवाद करता हूँ। आत्मरक्षा का प्रशिक्षण सिर्फ सुरक्षा के दृष्टिकोण से नहीं, बल्कि समाज में एक सकारात्मक बदलाव लाने के दृष्टिकोण से भी जरूरी है। हम यह सुनिश्चित करेंगे कि प्रत्येक छात्रा आत्मरक्षा के मामले में पूरी तरह सक्षम हो और वह किसी भी परिस्थिती में खुद की रक्षा कर सके।÷

नगर सहमंत्री सृष्टि सिंह ने कहां

÷यह कार्यक्रम केवल आत्मरक्षा के गुण सीखने का अवसर नहीं है, बल्कि यह छात्राओं को सशक्त बनाने का एक महत्वपूर्ण कदम भी है। आज के दौर में महिलाओं का आत्मनिर्भर और आत्मविश्वासी होना अत्यंत आवश्यक है। विद्यार्थियों को यह प्रशिक्षण सिर्फ सुरक्षा के लिहाज से नहीं, बल्कि आत्मविश्वास और समाज में अपने अधिकारों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए भी महत्वपूर्ण है। हम अभाविप के माध्यम से यह कार्य निरंतर जारी रखेंगे, ताकि हर छात्रा अपनी सुरक्षा के साथ-साथ अपने आत्मविश्वास को भी बढ़ा सके।÷

कार्यक्रम में मुख्य रूप से प्रदेश सह मंत्री द्वय अनंत सोनी, तुषार चंद्रवंशी, जिला संयोजक उज्ज्वल तिवारी, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य पलाश पांडे, नगर सह मंत्री आस्तिक सिंह, लकी सिंह, सिद्धार्थ यादव, इनय, रितेश, कैफ़, नूरी, राहुल, सूर्या, अविनाश मंडल, आयुष विशाल ,हर्ष ,अनुप्रिया त्रिपाठी, और अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे ।

8 करोड़ 2 लाख कीमत के नशीले मादक पदार्थों को किया गया नष्ट

- संवाददाता -
सूरजपुर,29 नवम्बर 2024 (घटती-घटना)।

सरगुजा रेंज के समस्त जिलों में जब्त कुल 3100 किलो गांजा सहित ब्राउन शुगर,डोडा चुरा को इंदिरा पावर जैन प्राईवेट लिमिटेड गिरवरगंज-नयनपुर जिला सूरजपुर में कमेटी के सदस्यों की मौजूदगी में नष्टीकरण किया गया। आईजी अंकित गर्ग की अध्यक्षता नष्टीकरण की कार्रवाई की गई। इंदिरा पावर प्लांट के बायलर में गांजा-डोडा चुरा डालकर नष्टीकरण करते हुए बिजली का उत्पादन किया गया। सरगुजा रेंज में अब तक यह चौथी बार है जब गांजा नष्टीकरण कर बिजली का उत्पादन किया गया है। नष्टीकरण के पूर्व जब्त गांजा-चरस का माप-तौल कमेटी के सदस्यों के उपस्थिति में कराते हुए उसका रिकार्ड की कार्वाई की गई। वहीं जब्त कफ सिरप की शिशियों और टेबलेट्स को भी जलाकर नष्ट किया गया और जमीन में गड्ढा खोदकर पाटा दिया गया। नष्टीकरण किए गए नशीले वस्तुओं का बाजार मूल्य करीब 8 करोड़ 2 लाख रूपये है। इस दौरान आईजी ने कहा कि रेंज के जिलों में कुल 354 प्रकरणों में 3100 किलो गांजा, 659 ग्राम बाउन शुगर, 321 नग गांजा का पौधा, 11,108 नग इंजेक्शन, 93,614 नग टेबलेट, 15 किलो डोडा चुरा, 7,235 नग सिरप, 168 नग नीडिल व 4 नग सिरिंज का नष्टीकरण किया गया। इस दौरान पुलिस अधीक्षक सूरजपुर प्रशांत कुमार ठाकुर तथा पुलिस अधीक्षक सरगुजा योगेश कुमार पटेल, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कोरिया मोनिका ठाकुर, नगर पुलिस अधीक्षक एसएस पैंकरा, एसडीओपी सूरजपुर नंदिनी ठाकुर, डीएसपी रितेश चौधरी, रक्षित निरीक्षक अशोक गिरी, निरीक्षक जावेद मियांदार, आईजी रीडर सुभाष ठाकुर सहित रेंज के पुलिस अधिकारी-कर्मचारी भी उपस्थित रहे।

बांध में डूबने से मां-बेटी की दर्दनाक मौत,शव निकाले गए

- संवाददाता -
बलरामपुर,29 नवम्बर 2024
(घटती-घटना)।

बलरामपुर जिले के पस्ता थाना अंतर्गत ग्राम पुटसु में गुरुवार को एक हृदयविदारक घटना घटी। जंगल में बने बांध में दोपहर 12:30 बजे के करीब सरिता यादव 18 वर्ष डूब गई। बेटी को बचाने के प्रयास में उसकी मां उर्मिला यादव 42 वर्ष भी बांध में कूद गई,लेकिन दोनों की जान नहीं बच सकी।

घटना की जानकारी मिलने पर पस्ता थाना प्रभारी विमलेश सिंह अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। बलरामपुर से नगर सेना के गोताखोरों की मदद से शाम 5 बजे के करीब मां-बेटी के शव बांध से बाहर निकाला गया। शवों का पोस्टमार्टम कर पुलिस ने उन्हें परिजनों को सौंप दिया।

मृतक सरिता यादव आ. मोहन यादव अपने गांव के जंगल के पास बने बांध के किनारे गई थी, जहां वह अचानक बांध में गिर गई। बेटी को डूबते देख उर्मिला ने उसे बचाने की कोशिश में बांध में छलांग लगाई, लेकिन दुर्भाग्यवश दोनों की जान चली गई। इस घटना से गांव में शोक की लहर है।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए बलरामपुर से नगर सेना के गोताखोरों की मदद से शवों को बाहर निकाला। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

नशे से किसी एक सदस्य का ही नहीं बल्कि पूरे परिवार की होती है बर्बादी

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 29 नवम्बर 2024 (घटती-घटना)।

सरगुजा पुलिस एवं स्वैच्छिक संगठनों के संयुक्त तत्वावधान में संचालित नवा बिहान नशामुक्ति जागरूकता अभियान एवं परामर्श केंद्र द्वारा ग्राम खैरबार के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के प्रांगण में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजित किया गया। इस दौरान एसपी योगेश पटेल ने कहा कि नशे की प्रवृत्ति सभी को छोडने् की जरूरत है। नशे से किसी एक सदस्य का ही नहीं बल्कि पूरे परिवार की बर्बादी होती है। नशे से दूर रहने की आदत सभी डालें। तभी परिवार एवं समाज का भला होगा। नशामुक्त समाज बनाने में सरगुजा पुलिस एवं स्वैच्छिक संगठनों के द्वारा संचालित नवा बिहान जन-जागरूकता अभियान एक अभिनव पहल है। वरिष्ठ समाजसेविका वन्दना दत्ता ने बच्चों को हमेशा नशे से दूर रहने के लिए समझाया। संयोजक नवा बिहान मंगल पाण्डेय ने कहा कि नवा बिहान नशामुक्ति जागरूकता अभियान एवं परामर्श केंद्र द्वारा किए जा रहे सतत् प्रयास का सकारात्मक परिणाम सरगुजा जिले में दिख रहा है। साथ ही बच्चों के व्यक्तित्व विकास में नशा सबसे बड़ा बाधक है। इस दौरान अधिवक्ता विजय शंकर तिवारी, अनिल कुमार मिश्रा, सरपंच बसंती मिंज, योगेन्द्र मिंज, उप सरपंच आदिप एक्का, ग्राम सचिव हरि सिंह , पूर्व सरपंच धरम साय, सामाजिक कार्यकर्ता सुनिधि शुक्ला, हिना खान, शिक्षक रमाशंकर तिवारी, कमलेश सिंह, अजित सिंह, आराधना जायसवाल, विनिता गुप्ता सहित अन्य शिक्षक एवं शिक्षिकाएं उपस्थित रहीं।

फिर मैदान में,अंबिकापुर की खस्ताहाल सड़कों पर करेंगे निःशुल्क मास्क वितरण

- संवाददाता -
अंबिकापुर,29 नवम्बर 2024
(घटती-घटना)।

सरगुजा जिले में समाजसेवा का पर्याय बन चुके अजय अग्रवाल, जिन्हें **मास्क मैन** (Mask Man) के नाम से जाना जाता है, एक बार फिर से लोगों की सेवा के लिए आगे आए हैं। कोरोना काल के दौरान अपनी निःस्वार्थ सेवाओं और निःशुल्क मास्क वितरण के जरिए लोगों को जागरूक करने वाले अजय अग्रवाल अब अंबिकापुर शहर की सड़कों पर उड़ती धूल के गुब्बार से होने वाली बीमारियों के प्रति जागरूकता फैलाने का काम कर रहे हैं।

अंबिकापुर शहर में खस्ताहाल व जर्जर सड़कों के कारण लगातार बढ़ती धूल और प्रदूषण से लोगों को होने वाली स्वास्थ्य समस्याओं को ध्यान में रखते हुए, अजय अग्रवाल ने एक बार फिर निःशुल्क मास्क वितरण का बीड़ा उठाया है। आगामी 30 नवम्बर, रविवार को सुबह 11 बजे गांधी चौक, अंबिकापुर में राहगीरों और स्थानीय नागरिकों को निःशुल्क मास्क वितरित किए जाएंगे।

अजय अग्रवाल का कहना है कि धूल और प्रदूषण से बचने के लिए मास्क पहनना बेहद जरूरी है। उन्होंने बताया कि सड़कों पर उड़ती धूल से सांस की बीमारियां, एलर्जी और अन्य स्वास्थ्य समस्याएं तेजी से बढ़ रही हैं। ऐसे में जागरूकता बढ़ाना और आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराना उनकी प्राथमिकता है।

स्थानीय लोगों ने अजय अग्रवाल के इस प्रयास की सराहना की है। उनके अनुसार,समाजसेवा के प्रति उनका यह समर्पण प्रेरणादायक है। कोरोना काल के दौरान भी उन्होंने हजारों मास्क वितरित कर लोगों को सुरक्षित रखने में अहम भूमिका निभाई है

मास्क मैन अजय अग्रवाल की इस पहल का मुख्य उद्देश्य न केवल नागरिकों को प्रदूषण से बचाना है, बल्कि स्वच्छ और स्वस्थ समाज की दिशा में योगदान देना भी है। उनके इस प्रयास से लोगों में जागरूकता बढ़ने और उनके स्वास्थ्य में सुधार की उम्मीद है।

जहां कचरा फेंकने पर जुर्माने की चेतावनी का लगा हुआ है सूचना बोर्ड...वहीं पर फेंका जा रहा है कचरा

मामला जिला पंचायत कोरिया के कार्यालय के ठीक सामने का

-संवाददाता-
बैकुण्ठपुर,29 नवम्बर 2024
(घटती-घटना)।

कोरिया जिले के बैकुंठपुर विकासखंड के ग्राम पंचायत चेरवापारा के द्वारा कलेक्टर परिसर के पीछे व जिला पंचायत के सामने एक आवश्यक सूचना देते हुए पंचायत राज्य अधिनियम 1993 की धारा 73 के अनुसार सार्वजनिक स्थानों पर कचरा फेंकना कानूनी अपराध है यहां पर ऐसा करते पाए जाने पर ढाई सौ रुपए का जुर्माना लगाया जाएगा इस आशय का सूचना पटल लगाया गया है ताकि कलेक्टर कार्यालय व जिला पंचायत परिसर के पास कचरा ना फेंका जाए, क्योंकि कलेक्टर व जिला पंचायत कार्यालय सार्वजनिक स्थल है यहां पर कचरा फेंकना प्रावधानों के तहत जुर्माना योग्य है पर सबसे बड़ा सवाल यह है कि जिस उद्देश्य से ग्राम पंचायत के द्वारा यह पहल की गई थी वह उद्देश्य न तो पूरा हो रहा है वहीं संयुक्त कार्यालय जिले का कचरा वहीं पर फेंक कर उस सूचना पटल को चिढ़ा रहे हैं जिला संयुक्त कार्यालय के सभी कार्यालय, सबसे आश्चर्य की बात तो यह है कि यहां पर दो प्रशासनिक अधिकारी एक तो जिला के मुखिया कलेक्टर व दूसरा पंचायत के मुखिया जिला पंचायत सीईओ दोनों वहां बैठते हैं नियमित साथ ही उनकी नजर भी प्रतिदिन पड़ती है इस कचरे पर और लगे हुए बोर्ड पर,सबसे आश्चर्य और ध्यान देने वाला विषय यह भी है कि खुद त्रिस्तरीय पंचायत की जिम्मेदारी निभाने वाले जिला पंचायत सीईओ पंचायत के निर्देश के बावजूद कचरा फेंके जाने पर कोई कार्यवाही हो इसका ध्यान नहीं रख रहे हैं,वैसे सूचना पटल और जुर्माने लिए लिखी गई कानूनी धारा का मजाक ही बन रहा है।

कौन वसूलेगा जुर्माना और किससे वसूलेगा

वैसे मामला जिला संयुक्त कार्यालय परिसर में कचरा फेंके जाने और उसका सही निपटान नहीं किए जाने से जुड़ा है वहीं मामला ग्राम पंचायत चेरवापारा के द्वारा कचरा फेंके जाने पर जुर्माना लगाए जाने की सूचना से जुड़ा हुआ है जिसके साथ कानूनी धाराओं का उल्लेख है वहीं इस सूचना का कोई असर ही न देखने को मिल रहा है और न ही इस संदर्भ में ग्राम पंचायत कार्यवाही ही करने जुर्माना ही लगाने की हिम्मत जुटा पाएगा क्योंकि मामला वरिष्ठ कार्यालय से जुड़ा हुआ है। वैसे मामले में खुद जिला पंचायत सीईओ को संज्ञान लेने की आवश्यकता थी और जुर्माने की सूचना दर्ज होने पर कचरा फेंकने वाले का चिन्हांकन कर चाहे वह जिस विभाग का हो जुर्माना लगाने ग्राम पंचायत को आदेशित करना चाहिए। वैसे सीईओ साहब इस विषय से अनभिज्ञ नहीं हैं ऐसा बताया जा रहा है वह केवल मौन हैं और उनके मौन का कारण अज्ञात है।

क्या कलेक्टर व जिला पंचायत सीईओ संज्ञान लेंगे?

वैसे सवाल एक ही है कि क्या कलेक्टर और जिला पंचायत सीईओ इस मामले में संज्ञान लेंगे। क्या दोनों यह सुनिश्चित करेंगे कि कचरा किसने फेंका और जुर्माना कौन पटाएगा। वैसे जुर्माना यदि वसूली नहीं करना है तो फिर बोर्ड की क्या जरूरत थी सूचना की क्या जरूरत थी यह भी एक सवाल है। वैसे पूरे मामले में अब देखने वाली बात यह है कि अब खबर प्रकाशन के बाद जिला प्रशासन और जिले के आला अधिकारी क्या एक्शन लेते हैं। क्या किसी कार्यालय पर जुर्माना लगाया जाता है ग्राम पंचायत के सूचना बोर्ड की लाज बचाई जाती है या फिर कम से कम कचरा ही हटवाया जाता है। वैसे सीईओ साहब जिस तरह अपने घर के सामने की साज सज्जा के लिए एक्टिव हुए थे क्या वह कार्यालय के भी सुंदरता के लिए तत्पर होंगे तत्काल यह देखने वाली बात होगी। वैसे सीईओ साहब एक्टिव नहीं भी होंगे तो कलेक्टर कोरिया का इस विषय में ध्यान देना जरूरी है यह माना जा रहा है।

व्यापारी पुत्र ने सरेआम अतिक्रमण हटाने वाले तहसीलदार पर चलाएं घुसे...अब बचने के लिए व्यापारियों को लेकर थाना में बैठे

छत्तीसगढ़ में कुछ भी मुमकिन है नेताओं के संरक्षण में प्रशासनिक पदों पर बैठे लोग मार खा रहे हैं

प्रशासन रसूखदारों का अतिक्रमण नहीं हटा पा रहा है और बाकियों का अतिक्रमण हटाने में दिखा रहा है जल्दबाजी

अतिक्रमण हटाने पर तहसीलदार की हो गई पिटाई और अब पीटने वाले पर अपराध न हो पंजीबद्ध इसके लिए व्यापारी बैठे धरने पर

प्रशासनिक कार्यवाही में बाधा उत्पन्न करना है अधिकारी को मारना भी है और फिर अपराध पंजीबद्ध ना हो इसके लिए मानमनौवल भी करना है...

पूरा दृश्य कैबिनेट मंत्री के विधानसभा का है विपक्ष मुद्दे पर मौन है कैसे प्रशासनिक अधिकारी करेंगे ड्यूटी यह भी सवाल है?

व्यवसायी ने तहसीलदार को जड़ा थप्पड़,किया गाली गलौज...अतिक्रमण हटाने को लेकर हुआ विवाद

-संवाददाता-
मनेंद्रगढ़,29 नवम्बर 2024
(घटती-घटना)।

अतिक्रमण हटाने निकले तहसीलदार पर शहर के एक युवा व्यवसायी ने थप्पड़ बरसाते हुए जमकर गाली गलौच कर दिया। मनेन्द्रगढ़ तहसीलदार यादवेंद्र कैवर्त बीते एक सप्ताह से शहर के विभिन्न इलाकों में अतिक्रमण हटाने राजस्व, नगरपालिका व पुलिस अमले के साथ निकल रहे है। इसी क्रम में शुक्रवार को तहसीलदार शहर के मौहारपारा इलाके के गोपाल शीत गृह के पास पहुंचे वहां अतिक्रमण हटाने के दौरान युवा सीमेंट व्यवसायी व सीए नितिन अग्रवाल के साथ तहसीलदार की बहस हो गई इस बीच नितिन अग्रवाल ने तहसीलदार को एक थप्पड़ जड़ते हुए जमकर गाली गलौच किया। इसके बाद पुलिस बल नितिन अग्रवाल को थाने लेकर आई और तहसीलदार यादवेंद्र कैवर्त के साथ राजस्व अमला भी थाने पहुंचा। सिटी कोतवाली मनेन्द्रगढ़ पहुँच कर तहसीलदार ने मामले की रिपोर्ट लिखवाई। तहसीलदार को थप्पड़ जड़ने

वाले नितिन अग्रवाल को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है।

मिली जानकारी के अनुसार तहसीलदार को थप्पड़ जड़ने वाला व गाली गलौच करने वाला नितिन अग्रवाल का सीमेंट, छड़ की दुकान है। दुकान के बाहर नेशनल हाइवे की नाली है। नाली में दुकान का सीमेंट सीट रखा हुआ था जिसे वहां मौजूद पटवारी दीपेंद्र सिंह ने हटवाने के लिए कहा, व्यवसायी नितिन सीमेंट सीट हटवा भी रहा था, इस बीच तहसीलदार यादवेंद्र कैवर्त ने तेज भाषा का प्रयोग करते हुए जल्दी हटवाने को कहा, जिस पर नितिन अग्रवाल भड़क गया और उसने तहसीलदार को थप्पड़ जड़ते हुए गाली गलौच करना शुरू कर दिया। आपको बता दे कि बीते सप्ताह अतिक्रमण हटाने के दौरान भी तहसीलदार यादवेंद्र कैवर्त विवादों में थे। उन्होंने एक व्यवसायी का मोबाइल छीन लिया था, जिसे बाद में व्यवसायी को लौटा दिया गया। नदीपार इलाके में अतिक्रमण हटाने के दौरान व्यवसायी प्रियम केजरीवाल ने बगैर नोटिस के अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही को लेकर मोबाइल चालू कर वीडियो बनाते हुए तहसीलदार से सवाल किया था। जिससे आवेशित होकर तहसीलदार ने युवक का मोबाइल छीन लिया था।

मारपीट के बाद कई सवाल तहसीलदार की तरफ मुंह बाएं खड़े हैं...

वैसे अब इस मारपीट के बाद कई सवाल तहसीलदार की तरफ मुंह बाएं खड़े हैं जो उनकी पिछली कई कार्यवाहियों को लेकर हैं जिसमें यदि तहसीलदार साहब बड़े दबंग है तो अभी तक होटल हसदेव इन के सामने का अतिक्रमण क्यों नहीं तोड़ पाए? क्या नगर पालिका अध्यक्ष के चबूतरे पर उनकी नजर नहीं पड़ी या फिर उनकी कुर्सी में इतनी ताकत नहीं बची कि उनके पेट्रोल पंप एवं अस्पताल और होटल पर वे किए गए अतिक्रमण पर जेसीबी चला सकें?

तहसीलदार का आतंक?

सूत्रों की माने तो चिरमिरी में बड़ी उगाही कर फर्जी पट्टा बांटने के बाद विवादों में आए तहसीलदार इन दिनों मनेद्रगढ़ में भी अपनी काली कमाई का वजन बढ़ाने के लिए क्षेत्र में आतंक फैला रहे हैं, ऐसा बताया जा रहा है और यह घटना उसी की परिणीति है जो आक्रोश स्वरूप झलक गई युवक के, पिछले दिनों उनके द्वारा छोटे दुकानदारों और फुटपाथों पर व्यापार कर रहे व्यापारियों पर अपनी प्रशासनिक धौंस बनाकर लोगों में दहशत बनाने का काम किया गया था, पिछली बार अतिक्रमण हटाने यही तहसीलदार निकले थे, बिना किसी पूर्व सूचना के नगर पालिका से एक जेसीबी मशीन लेकर गरीब कमजोर किस्म के लोगों का दुकान और उसमें विक्रय हेतु रखे सामान को तोड़फोड़ कर रहे थे, तो लोगों ने उसका वीडियो बनाना शुरू किया था तहसीलदार साहब सारे नियम कानून ताक में रखकर खुद ही युवक से हाथापाई करते हुए उससे मोबाइल छीनने लगे थे, क्या यह अधिकार उन्हें कानून देता है? वैसे तहसीलदार की कार्यप्रणाली काफी दोषपूर्ण है और उगाही ही उनका उद्देश्य रहता है यह लोगों का कहना है और उगाही के लिए ही वह दहशत बनाते हैं और यहां भी उनका इस घटना में भी यही प्रयास था जो उल्टा पड़ गया उन्हीं के लिए।

क्या अमीरों पर रहम गरीबों पर कहर बरसाने वाले है तहसीलदार?

अमीरों पर रहम गरीबों पर कहर बरसाने वाले यह तहसीलदार इन दिनों काफी विवादों में आ गए हैं लगातार विवाद और बयानबाजी और मनमाने तरीके से कानून को हाथ में लेकर किसी के घर पर तो किसी के मकान पर तो किसी की दुकान पर अतिक्रमण कहकर कार्यवाही हटाने के नाम पर कुछ भी मनमानी करके आखिर वह क्या साबित करना चाहते हैं? क्या इनके द्वारा जब जमीनों से संबंधित फैसले लिए गए हैं क्या वह सही है क्या जिस तरह से उन्होंने चिरमिरी में कई रसूखदारों के फर्जी पट्टे बनाए हैं क्या वह सही है? अस्पताल पेट्रोल पंप एवं एक आलीशान होटल पर कार्यवाही ना कर आमजनों पर हो रही कार्यवाही से प्रशासन का दोहरा चरित्र दिख रहा है? क्या जिले के जिम्मेदार कलेक्टर साहब इनके कुकर्मों से वाकिफ नहीं है? अब देखना यह है कि प्रशासन कुंभकरणी निंद्रा से जागता है या जनप्रतिनिधियों के तलवे चाटकर ही उनकी गुलामी करते रहता है? तहसीलदार को लेकर उनकी कार्यवाही को लेकर कई लोगों की बातें और उनका नजरिया सामने आई, जिसमे सभी ने यही माना कि तहसीलदार की कार्यवाही दोषपूर्ण थी और वह यदि सही काम करते ठीक ढंग से कानून अनुसार कार्यवाही करते तो एक जैसी शहर में कार्यवाही होती, पक्षपात नहीं करते या वसूली वाला वह खेल नहीं खेलते तो मार वह नहीं खाते।

यह क्यों नहीं पहुंची तहसीलदार साहब की जेसीबी?

नदी पार कार्यवाही के दौरान आम जनों की दुकानों तक पहुंचने वाली सीढी को तोड़ा जा रहा है, वही नगर पालिका अध्यक्ष के घरके चबूतरे और उनके पुत्र के अस्पताल की सीढ़ी जो की पूर्ण रूप से एनएच सड़क से फुटपाथ और नाली पर निर्मित है उसे छुआ भी नहीं पाया, जबकि दिन भर मरीजों को गाड़ियां उसी पर खड़ी रहती हैं जिससे एक ओर आवागमन बाधित होता है और वही एक्सीडेंट का खतरा भी बना रहता है दूसरे और एक रसूखदार वकील साहब का पेट्रोल पंप भी इसी तरह स्थित है झांझरिया भवन भी अतिक्रमण कर रखा है, एमसीबी कलेक्टर जहां एक तरफ गरीबों के लिए बड़ा सकारात्मक रवैया अपनाते हैं वहीं उनके अधीनस्थ एक तहसीलदार पूरे बाजार में अपने दहशत बनाने के लिए सिर्फ छोटे लाचार गरीब दुकानदारों को अपना शिकार बना रहा है जो पूरी तरह से अनुचित है, तहसीलदार की मनमानी और उसकी हठधर्मिता ही एक सीधे साधे व्यापारी के गुस्से का कारण बनी और कहीं न कहीं उसे आपराधिक कृत्य करने पर मजबूर किया। तहसीलदार का चिरमिरी का कृत्य और कार्यप्रणाली जानने वाले बताते हैं कि साहब को साहबगिरी दिखाने ओर वसूली की आदत है जो एक सीधे साधे व्यापारी को नहीं भाई और उसने पिटाई कर दी साहब की।

प्रेमनगर में युवा खेल उत्सव सम्पन्न

-संवाददाता-
सूरजपुर/प्रेमनगर 29 नवम्बर 2024 (घटती-घटना)।

संचालनालय खेल एवं युवा कल्याण छत्तीसगढ़ रायपुर के पत्र के परिपालन में कार्यालय कलेक्टर खेल एवं युवा कल्याण सूरजपुर के आदेशानुसार प्रेमनगर जनपद एवं शिक्षा विभाग के नेतृत्व में एक दिवसीय युवा खेल उत्सव का आयोजन प्रेमनगर मा. शाला मैदान में किया गया। इस कार्यक्रम का प्रारंभ मुख्य अतिथि जनपद सदस्य धरम सिंह करियाम के हाथों दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस कार्यक्रम के अध्यक्षता ब्लॉक नोडल व जनपद सीईओ संजय रॉय ने किया। सहायक नोडल व विकास खंड शिक्षा अधिकारी, रामबिलास साहू, बीपीओ रमेश कुमार जायसवाल, मण्डल संयोजक रहमान खान, बालक उ. मा. विद्यालय प्राचार्य विपिन कुमार पाण्डेय, पीएम श्री सेजस प्राचार्य आर. बी. सिंह, पी.ओ. ओम तिवारी, एकलव्य प्राचार्य ठाकुर सिंह के नेतृत्व में सम्पन्न कराया गया।

ज्ञात हो कि युवाओं को कला एवं संस्कृति के क्षेत्र में अधिक से अधिक अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से प्रतिवर्षानुसार की तरह इस वर्ष भी युवा उत्सव का आयोजन किया जा रहा है। यह उत्सव ब्लॉक, जिला, राज्य स्तर पर आयोजित की जाएगी जिसमें चयनित प्रतिभागियों को 28 वां राष्ट्रीय युवा उत्सव में राज्य के प्रतिभागी दल के रूप में शामिल कराया जाएगा। इसी तारतम्य में द्वय जनपद एवं शिक्षा विभाग के संयुक्त नेतृत्व में युवा उत्सव का आयोजन मा. शाला मैदान प्रेमनगर में किया गया। इस युवा उत्सव में 13 विधाओं पर कार्यक्रम आयोजित की गई जिसमें 15 से 29 वर्ष तक के विद्यालयीन व ग्रामीण युवा भाग लिए। सभी विधाओं में उत्कृष्ट प्रस्तुतिकरण को प्रथम, द्वितीय पुरस्कार प्रदान किया गया। इस कार्यक्रम के सभी विधाओं में मार्किंग करने अलग अलग प्रभारियों व सहयोगियों की नियुक्ति की गई थी जिनके द्वारा दिये गए मापदंड अनुसार मार्किंग किया गया। इस कार्यक्रम में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को जिला युवा उत्ससव के लिए चयन किया गया है। जिसमें विज्ञान मेला में पीएम श्री सेजस प्रेमनगर प्रथम, सामूहिक लोकनृत्य से प्रथम ओमकेश्वर टीम, एकल सांग में प्रथम देवेंद्र प्रजापति, एकल नृत्य में एकलव्य विद्यायल से विनीता श्याम, समूह सांग एकलव्य से प्रियांशी एवं साथी, कविता में पीएम श्री सेजस प्रेमनगर से अभिषेक साहू, निबंध लेखन में पीएम श्री सेजस से ली जेक, चित्रकला में ग्रामीण युवा लक्ष्मीपुर से प्रीतम दास रहे।

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा

रा.प्र.क्र./अ-6/2024-25

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका आशा देवी पति सुदामा प्रसाद सोनी, निवासी विश्रामपुर जिला सूरजपुर के द्वारा इस आशय का आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है, कि आवेदिका के द्वारा अनावेदिका श्रीमती सुमित्रा देवी पति नंदकुमार सोनी निवासी विश्रामपुर जिला सूरजपुर के स्वामित्व एवं आधिपत्य की नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल भूमि शीट0 नं0 03, मोहल्ला- गुदडी रोड, अ0पुर स्थित खसरा नं 1216/3, 1217/3, 1224/4 में से क्रमशः रकबा 490.05, 707.85, 544.5 वर्गफीट भूमि को पंजीबद्ध दान पत्र दिनांक 05.11.2024के माध्यम से प्राप्त किया गया है। अतः आवेदक के द्वारा उक्त पंजीबद्ध दानपत्र के आधार पर उक्त भूमि के नजूल अभिलेख में अपना नाम दर्जकराने हेतु आवेदिका द्वारा पंजीबद्ध दानपत्र की छायाप्रति, मयदस्तावेज संहित आवेदन पत्र, अन्तर्गत धारा 109, 110 छ0ग0 भू-राजस्व संहिता 1959 के तहत प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तोअपना लिखित दावा-आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 20/12/2024 तक न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 26/11/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

सील — नजूल अधिकारी ,अंबिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा

रा.प्र.क्र./अ-20(3)/2024-25

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका श्रीमती स्नेहलता श्रीवास्तव पति उपेन्द्र श्रीवास्तव उम्र लगभग 64 वर्ष निवासी नमनाकला, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा,छ0ग0 के द्वारा अपने स्वामित्व की मोहल्ला बाबूपारा नगर अम्बिकापुर शीट नम्बर-11, स्थित नजूल प्लाट नम्बर 3467/4865/93 रकबा 118.2 वर्गमीटर भूमि/मकान को बैंक में बंधक रखने की अनापत्ति हेतु आवेदन पत्र मय शपथ पत्र, मेंटनेन्स खसरा की छायाप्रति के साथ पेश किया गया है।

उक्त भू-खण्ड के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा-आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 13/12/2024 तक न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 27/11/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

सील — नजूल अधिकारी ,अंबिकापुर

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.)अंबिकापुर,जिला-सरगुजा(छ0ग0)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र. अ-2/2023-24

एतद द्वारा सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक रामऔतार अग्रवाल आ0 जगरनाथ अग्रवाल जाति अग्रवाल निवासी स्कुल रोड अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा,छ0ग0 के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि स्थित ग्राम अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा, छ0ग0 खसरा नंबर 4631/2, 4632/2, रकबा 0.587, 0.454 हे0 में से 0.106, 0.454 हे0 भूमि को कृषि भिन्न आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1, खसरा, सेटलमेंट रजिस्ट्री की प्रति, आदि संहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अतएव उक्त सम्बंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो निधारित सुनवाई तिथि 16/12/2024 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता हैं। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 29/11/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

सील — अनुविभागीय अधिकारी (रा.) अंबिकापुर

न्यायालय नायब तहसीलदार लुण्ड्रा जिला-सरगुजा,छत्तीसगढ़

रा.प्र.क्र. 202407021400004 /अ-6/2023-24

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक सोहन आ0 रतन उम्र लगभग 43 वर्ष जाति गोड़ निवासी ग्राम लुण्ड्रा जिला-सरगुजा,छ0ग0 के द्वारा इस आशय का आवेदन पेश किया गया है कि आवेदक की बुआ कमला बाई ने अपने खाते की भूमि ग्राम लुण्ड्रा स्थित खसरा नंबर 664 एवं अन्य कुल खसरा नम्बर 04 रकबा 0.802 हे0 भूमि में से 1/3 हिस्से की भूमि को वसीयतनामा दिनांक 14/03/2011 को वसीयतकर्ता कमला बाईके द्वारा वसीयत किया गया है। वसीयतकर्ता कमला बाई का मृत्यु हो गया है वसीयतकर्ता के द्वारा आवेदक के सेवा सत्कार एवं मृत्यु के उपरांत क्रिया कर्म भी किया गया है। उक्त वसीयतनामा के आधार पर वाद भूमि को अपने नाम से दर्ज करने हेतु आवेदन पेश किया गया है।

उक्त कार्यवाही से किसी को कोई आक्षेप हो तो वह अपना आक्षेप स्वयं या अपने अभिभाषक के माध्यम से दिनांक 13/12/2024 तक मेरे न्यायालय में प्रस्तुत कर सकता है। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त आक्षेप पर कोई विचार नहीं किया आयेगा एवं तदानुसार कार्यवाही कर दी जावेगी।

आज दिनांक 28/11/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुद्रा से अंकित कर जारी किया गया।

सील — नायब तहसीलदार लुण्ड्रा,जिला-सरगुजा

सूरजपुर के महाठग अशफ़ाक व उनके पिता जरीफ गिरफ्तार

अशफाक 5 दिन के लिए पुलिस रिमाण्ड में...पिता जेल दाखिल

अब पुलिस अशफ़ाक के ठगी का करेगी सूक्ष्मता से जांच खुलेंगे कई राज

ठगी में जो जो होंगे शामिल सभी पर होगी कार्यवाहीः सूत्र

अशफाक सहित कई पर है एफआईआर दर्ज...बाकी की भी होगी गिरफ्तारी

-ओमकार पांडेय-
सूरजपुर,29 नवम्बर 2024
(घटती-घटना)।

जिला सूरजपुर के शिवप्रसादनगर निवासी कहे तो जिले के महाठग अशफाक उल्ला व उनके पिता जरीफ उल्ला की गिरफ्तारी अंततः हो गई, पुलिस ने पिता को जहां जेल भेजा वही अशफाक के लिए चार दिन की पुलिस रिमांड ली, ताकि पूरे मामले का खुलासा सही तरीके से हो सके, कैसे ठगी हो रही थी और पैसा कहां लगाया जा रहा था? सब चीजों की जांच पुलिस अब करेगी और चार दिन में असफाक उल्ला से सारे राज कबूलवाएगी, ताकि पीड़ितों को न्याय मिल सके वही अभी तक की स्थिति यह है कि भले से घोटाला 200 से 300 सौ करोड़ की ठगी की बात माना जा रहा है,पर अभी तक पुलिस के पास जो शिकायत आई है उसके मुताबिक एक से डेढ़ करोड़ के लगभग ही ठगी की बात आ रही है, अब देखना यह है कि गिरफ्तारी के बाद अब और कितने शिकायतें आती हैं? यदि शिकायतें और बढ़ती हैं तो घोटाले और होने की संभावना बढ़ सकती है।

ज्ञात होगी अशफ़ाक उल्ला लोगों का पैसा दुगना करने के लिए जाना जाता था, कम समय में लोगों को अधिक प्रॉफिट देने का झांसा देकर लोगों से पैसे लेता था, उसके एवज में गाड़ियां भी गिफ्ट किया करता था, यह कारोबार उसका पिछले तीन सालों से चल रहा था, पर जब से इस मामले को दैनिक घटती घटना ने प्रमुखता के साथ उठाना शुरू किया तब के बाद से महा ठग अशफाक उल्ला का पैसा दुगना करने का मामला लोगों को सही में ठगी लगने लगा, इसके बाद कई लोगों ने पैसा निकालने प्रयास किया तो कई लोग जो उसके पास पैसा लगाना चाहते थे उससे वह दूरी बना लिए, जिससे वह ठगी होने से बच गए पर वही जो ठगी का शिकार हो चुके थे वह धीरे-धीरे करके अपने नुकसान को कम करने के लिए दबाव बनाकर पैसे लिए, इसके बाद भी काफी लंबा ठगी अभी तक हो चुका है, इस ठगी में शामिल होने वालों की संख्या भी लंबी है पर शिकायतों की बात करें तो 6 से 7 शिकायतें ही आए हैं, जिसके मुताबिक एक से डेढ़ करोड़ के ठगी की बात अभी पुलिस के रिकॉर्ड में है, पर यदि और शिकायतें आती हैं तो यह घोटाले की रकम पुलिस रिकॉर्ड में भी बढ़ेगी वहीं लोगों का यह भी कहना है की जिनकी शिकायतें आएंगे वही पैसे पाने का अधिकार भी रखेंगे, जो न्यायालय से मिल सकता है पर वही जो शिकायतों से बच रहे हैं और अपने खामोशी का चादर ओढ़े हुए हैं उन्हें हमेशा के लिए ही खामोशी का चादर ओढ़ कर अपने पैसे को भूलना होगा। जो मध्यम वर्ग के लोग हैं वह शिकायत करके न्यायालय के रास्ते अपने पैसा पाने का अधिकार रख पाएंगे पर वही जो शिकायतों से बचना चाह रहे हैं उनके लिए पैसे मिलने के रास्ते बंद होने की बात कही जा रही है।

तीन धोखाधड़ी के मामले में आरोपी पिता-पुत्र को सूरजपुर पुलिस ने किया गिरफ्तार

दिनांक 08.10.2024 को स्थानीय केतका रोड़ निवासी विशाल गुप्ता ने थाना सूरजपुर में रिपोर्ट दर्ज कराया कि माह 6/24 में असफाक उल्ला के द्वारा रकम 35 दिन में डबल करने का झांसा दिया जिसके बहकावे में आकर उसे 10 लाख रूपये आरटीजीएस के माध्यम से ट्रांसफर किया जिसके एवज में असफाक के द्वारा 10 लाख रूपये का चेक दिया गया। काफी समय बीतने के बाद भी असफाक के द्वारा पैसा वापस न कर टालमटोल करने पर प्रार्थी के द्वारा इसकी रिपोर्ट थाना सूरजपुर में करने पर दिनांक 08/10/2024 को आरोपी असफाक उल्ला,उसका पिता जरीफ उल्ला और जीजा के विरूद्ध अपराध क्र. 558/24 धारा 420, 506, 34 भादवि के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया। वहीं दूसरे मामले में दिनांक 28.11.2024 को मानपुर निवासी मोहम्मद अल्ताफ ने थाना सूरजपर में रिपोर्ट दर्ज कराया कि दिनांक 15.05.24 से 23.05.24 के बीच ग्राम सोनपुर का असफाक उल्लाह, जरीफ उल्लाह व अन्य 5 लोगों के द्वारा 52 दिनों में पैसा डबल करने के नाम पर 10 लाख रूपये का धोखाधड़ी किए है। प्रार्थी की रिपोर्ट पर अपराध क्रमांक 650/24 धारा 420, 506, 34 भादसं के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया। वहीं तीसरे मामले में मानपुर सूरजपुर निवासी फरहत नाज ने थाना सूरजपुर में रिपोर्ट दर्ज कराया कि दिनांक 20/02/2024 को ग्राम सोनपुर का असफाक उल्लाह, जरिफ उल्लाह व उसका जीजा के द्वारा 60 दिनों में पैसा डबल करने के नाम पर कुल 54 लाख रूपये का धोखाधड़ी किए है। प्रार्थियां की रिपोर्ट पर अपराध क्रमांक 651/24 धारा 420, 506, 34 भादसं के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया।

दैनिक घटती-घटना की खबरों की प्रामाणिकता फिर हुई सही साबित

अशफाक के गिरफ्तारी से शिवप्रसादनगर के कई और नाम आएंगे सामने

सूत्रों का दावा है कि अशफाक के ठगी में शिवप्रसादनगर के कई लोग शामिल हैं, कुछ सूरजपुर के भी लोग हैं अब देखना यह है कि अशफाक पुलिस के सामने कितने लोगों का नाम उगलता है? पुलिस इस मामले में काफी सख्त है और ठगी के पूरे चक्रव्यूह को तोड़कर समझने का प्रयास करेगी। यही वजह है कि पुलिस ने चार दिन का रिमांड अशफ़ाक उल्ला का लिया है, पुलिस इसमें जिन-जिन का नाम आएगा सभी पर कार्यवाही करेगी यह साफ हो चुका है। वहीं शिवप्रसादनगर के कई लोग शिकायत करने का जो इंतजार कर रहे हैं उन्हें भी अब शिकायत करनी चाहिए,क्योंकि अब महाठग पुलिस के हिरासत में है और पुलिस ही उन्हें उनके पैसे दिलाने में मदद कर सकती है पुलिस यह भी पता करेगी कि आखिर इतना पैसा अशफ़ाक उल्ला ने क्या किया?

पुलिस अधीक्षक सख्त

सूरजपुर के नए पुलिस अधीक्षक क्राइम को लेकर काफी सख्त हैं और इस ठगी के मामले को लेकर तो और भी सख्त हैं, इस पूरे मामले में वह खुद ही पल-पल का अपडेट ले रहे हैं और मामला पूरी तरह से स्पष्ट हो जाए इस पर उनका ज्यादा ध्यान है, शिवा साहू की तरह इस मामले का खुलासा सूरजपुर पुलिस भी करेगी, यह भी बात अब कहीं जाने लगी है, पुलिस अधीक्षक ने इस मामले में साफ कह दिया है जिस जिस का नाम सामने आएगा सभी पर कार्यवाही होगी।

पुलिस के खुलासा का इंतजार- पुलिस के लिए भी यह मामला सुलझाना काफी टेढ़ी खीर है क्योंकि यह मामला कोई छोटा-मोटा मामला नहीं है कई सौ करोड़ का मामला है और कई लोग इस मामले से प्रभावित हैं, पैसे कहां खर्च हुए कैसे दुगने हो रहे थे? सब पुलिस को जानना है इसी वजह से पुलिस जल्दबाजी नहीं दिखा रही है पूरे मामले को खुलासा करने के लिए समय ले रही है और 5 दिन के रिमांड खत्म होने के बाद पूरे मामले का खुलासा करेगी ऐसा माना जा रहा है। आमजनता के लाखों की धनराशि लेकर धोखाधड़ी करने के मामले को गंभीरता से लेते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सूरजपुर प्रशांत कुमार ठाकुर ने आरोपियों की धरपकड़ के लिए पुलिस टीम गठित कर लगाया। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संतोष महतो व सीएसपी एस.एस.पैंकरा के मार्गदर्शन में गठित पुलिस टीम के द्वारा नई तकनीक की मदद व प्राप्त मुखबीर सूचना के आधार पर आरोपी असफाक उल्ला व उसके पिता जरीफ उल्ला को पकड़ा गया। दोनों आरोपियों के द्वारा वारदात को अंजाम देना पाए जाने पर उक्त तीनों प्रकरणों में आरोपी असफाक उल्ला पिता जरीफ उल्ला उम्र 23 वर्ष एवं जरीफ उल्ला अंसारी पिता अब्दुल रहीम उम्र 53 वर्ष ग्राम सानपुर,चौकी बसदेई को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय में पेश किया गया और आरोपी असफाक उल्लाह का 05 दिनों का पुलिस रिमाण्ड लिया गया है और आगे की विवेचना की जा रही है। आरोपी के विरूद्ध थाना अम्बिकापुर में भी अपराध पंजीबद्ध होने पर आरोपियों की गिरफ्तारी की जानकारी अम्बिकापुर पुलिस को दी जा रही है।

कलेक्टर ने मंडी रोड स्थित नशामुक्ति केंद्र का किया निरीक्षण

-संवाददाता-
सूरजपुर,29 नवम्बर 2024
(घटती-घटना)।

कलेक्टर श्री एस जयवर्धन ने नशामुक्ति केंद्र मंडी रोड़ सूरजपुर का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान कलेक्टर ने नशामुक्ति केंद्र में भर्ती सभी नशा पीड़ितो से व्यक्तिगत चर्चा किया और नशा मुक्ति केंद्र में सभी व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान छत्तीसगढ़ शबरी सेवा संस्थान के सचिव सुरेन्द्र साहू ने बताया कि दिसंबर 2022 से अभी तक कुल 116 नशा पीड़ित भर्ती हुए थे, जिसमें अधिकांश लोग नशा से मुक्त होकर अपने घर चलें गए हैं। साथ ही 285 मरीजों का काउंसलिंग भी किया गया है। नशामुक्ति केंद्र में प्रमुख रूप से गांजा, शराब, कोरेक्स, चरस, सुलेशन, तंबाकू, गुटखा, सिगरेट के मरीज भर्ती है। उन्होंने आगे बताया कि जिला प्रशासन सूरजपुर द्वारा संचालित नशामुक्ति केंद्र में किसी भी जिले का मरीज भर्ती हो सकते है। नशामुक्ति केंद्र में मरीजों को भर्ती कर उन्हें ठीक करने का प्रयास छत्तीसगढ़ शबरी सेवा संस्थान द्वारा किया जाता है। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने नशामुक्ति केंद्र में उपलब्ध रिकॉर्ड के संधारण हेतु आवश्यक दिशानिर्देश दिये। इसके साथ ही संबंधित अधिकारियों द्वारा केंद्र की सतत मॉनिटरिंग के निर्देश दिये। उन्होंने उपस्थित संबंधित को नशा मुक्ति केंद्र में रहने वाले युवाओं को शासन द्वारा संचालित विभिन्न योजनओं के अंतर्गत संचालित रोजगार मूलक प्रशिक्षण से जोडने के निर्देश दिए ताकि स्वरोजगार प्राप्त कर उनका मनोबल बढ़े और जिससे कि वो सकारात्कम दिशा की ओर आगे बढ़ कर अपने सुनहरे भविष्य का निर्माण कर सके। निरीक्षण के दौरान छत्तीसगढ़ शबरी सेवा संस्थान लखनपुर जिला सरगुजा के कर्मचारी भारती साहू, हरिकेश गुप्ता विक्रम पाले, आकाश नायक, जय विश्वकर्मा, सूरज कुसरो, अर्णव, रितेश ताजे, नर्स अनिता कुशवाहा सहित सभी स्टाफ और हितग्राही उपस्थित रहे।

कोरिया एमसीबी में सहकारी समिति अध्यक्षो की नियुक्ति में पूर्व विधायक ने उठाया सवाल...कहा आदिवासियों के अधिकारों का हो रहा हनन

सम्भाग में 5 वीं अनुसूची लागू बावजूद गैर आदिवासी को बना दिया अध्यक्ष...भजपा के मंडल अध्यक्षो की हुई है नियुक्ति

-संवाददाता-
एमसीबी/कोरिया,29 नवम्बर 2024
(घटती-घटना)।

कोरिया एवं एमसीबी जिले के विकासखंडों में आदिम जाति सेवा सहकारी समितियों में अध्यक्षो की नियुक्ति पर पूर्व विधायक गुलाब कमरो ने सवाल उठाया है, साथ ही इसे आदिवासियों के अधिकारों का हनन भी बताया है, पूर्व विधायक गुलाब कमरो ने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री खुद आदिवासी हैं और सरगुजा सम्भाग से ही आते हैं बाउजूद उन्हें आदिवासियों के हित की तनिक भी चिंता नही है, प्रदेश सरकार आदिवासियों के हितों की रक्षा करने की बजाय उनका शोषण कर रही है जिसका जीता जागता उदाहरण कोरिया एम सी बी में सहकारी समितियों में अध्यक्षो की नियुक्ति का मामला है।

भाजपा मंडल अध्यक्षो को मिली है जिम्मेदारी

मिली जानकारी अनुसार कोरिया व एम सी बी में अधिकांश समितियों में भाजपा के गैर आदिवासी मंडल अध्यक्षो को बतौर सहकारी समिति अध्यक्ष के रूप में नियुक्ति की गई है।

सरगुजा सम्भाग में 5 वीं अनुसूची है लागू

पूर्व विधायक ने कहा कि सरगुजा सम्भाग में 5वीं अनुसूची लागू है लेकिन संवैधानिक प्रावधानों को दरकिनार कर आदिवासियों के जगह गैर आदिवासियों की जगह गैर आदिवासियों की नियुक्ति धडल्ले से की जा रही है, साथ ही पुर्व विधायक ने कहा कि सहकारी समितियों में अध्यक्षो की नियुक्ति स्थानीय विधायक की अनुशंसा से होती है, वर्तमान विधायक खुद काल्पनिक सी एम दीदी है जो कि खुद भी आदिवासी हैं लेकिन उनके द्वारा आदिवासियों के हितों का ख्याल नही रखा गया जो कि सरासर गलत है।

पूर्व सरकार में सभी अध्यक्ष थे आदिवासी

पूर्व की कांग्रेस सरकार में कोरिया व एम सी बी में सहकारी समिति के सभी अध्यक्ष आदिवासी थे, साथ ही सभी अध्यक्ष अपने समिति के पंजीकृत किसान भी थे, लेकिन वर्तमान में हुई नियुक्तियों में कई अध्यक्ष ऐसे भी है जो सम्बंधित सोसायटी के सदस्य एवं पंजीकृत किसान तक नही है ऐसे में किस आधार पर नियुक्ति हुई यह जांच का विषय एवं बड़ा मामला है।

जल्द होगा बड़ा आंदोलनःकमरो

पूर्व विधायक गुलाब कमरो ने पूरे मामले पर सरकार को घेरते हुए इस निर्णय पर आपत्ति जताई है साथ ही सरकार को आदिवासी विरोधी बताते हुए आंदोलन किये जाने की करते हुए कहा कि आदिवासीयो के अधिकारों का किसी भी सूरत में हनन नही होने दिया जाएगा, सहकारी समिति अध्यक्षो की नियुक्ति के मामले को लेकर बड़ा आंदोलन किये जाने की बात कहा है।

खेल की संक्षिप्त खबरें

केकेआर के कप्तान बनेंगे वेंकटेश अय्यर

नईदिल्ली, 29 नवंबर 2024। इंडियन प्रीमियर लीग 2025 के लिए हुए मेगा ऑक्शन में केकेआर ने पिछले सीजन की तरह एक बार फिर चौंकाया। आईपीएल 2024 के लिए हुई नीलामी में मिचेल स्टॉर्क को 24.75 करोड़ देकर सभी को हैरान करने वाली इस टीम ने आईपीएल 2025 मेगा ऑक्शन में वेंकटेश अय्यर को रिकॉर्ड कीमत देकर सभी को हैरान कर दिया है। वेंकटेश अय्यर एक अच्छे बैटिंग ऑलराउंडर हैं। इसलिए केकेआर ने उन्हें जब रिटेन नहीं किया तो फैंस को हैरानी हुई।

बो वेबस्टर के पास हुनर है, अगर मौका मिला तो वह ऑस्ट्रेलिया के लिए शानदार रहेंगे

नईदिल्ली, 29 नवंबर 2024। मैथ्यू कुहनेमैन का मानना है कि शेफील्ड शील्ड टीम में उनके साथी तस्मानिया के बो वेबस्टर को मौका मौका मिला तो वह आस्ट्रेलिया के लिए अच्छा प्रदर्शन करने का मौका भुनाएंगे।मिचेल मार्श की फिटनेस को लेकर चिंताओं के बीच वेबस्टर को भारत के खिलाफ आगामी पिंक-बॉल टेस्ट के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम में शामिल किया गया है। यह अनकैप्ड ऑलराउंडर अगले सप्ताह एडिलेड में टीम से जुड़ेगा।उन्हें भारत ए' के खिलाफ दो मैचों की सीरीज सहित लाल गेंद क्रिकेट में उनके हाल के अच्छे प्रदर्शन के बाद टीम में शामिल किया गया है। उन्होंने इस साल शेफील्ड शील्ड में 50.50 की औसत से 303 रन बनाए हैं और नौ विकेट भी लिए हैं।

पिंक बॉल टेस्ट में टीम इंडिया के 5 खिलाड़ी करेंगे डेब्यू

» लिस्ट में ये चौंकाने वाले नाम भी शामिल

नईदिल्ली,29 नवंबर 2024। पिंक बॉल टेस्ट यानी गुलाबी गेंद से खेला जाने वाला मुकाबला। वैसे तो पिंक बॉल टेस्ट का इतिहास काफी पुराना है। पहली बार ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के बीच साल 2015 में पिंक बॉल टेस्ट खेला गया था। हालांकि भारत ने इसके करीब चार साल बाद ये मुकाबला खेला। भारत ने साल 2019 में बांग्लादेश के खिलाफ कोलकाता के ईडन गार्डेंस में जो मैच खेला था, वो पिंक बॉल टेस्ट था। लेकिन अब भारत कभी कभार पिंक बॉल टेस्ट खेलता ही है। अब फिर से इसकी बारी आ गई है। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 6 दिसंबर से एडिलेड में होने वाला मुकाबला पिंक बॉल टेस्ट ही होगा। इसमें भारत के 5 खिलाड़ी डेब्यू करते हुए नजर आ सकते हैं। हो सकता है कि आप ये बात जानकर चौंक रहे हों, लेकिन ये बात है सौ फीसदी सही।

भारत ने अब तक खेले हैं 4 पिंक बॉल टेस्ट,तीन में मिली जीत

भारत ने साल 2019 से लेकर अब तक चार पिंक बॉल टेस्ट खेले हैं, उसमें से उसे एक में हार मिली है और तीन जीतने में कामयाब रही है। भारत ने जो भी मैच जीते हैं, वो सब घर पर ही जीते हैं, वहीं जिस मुकाबले में उसे हार मिली है, वो ऑस्ट्रेलिया में खेला गया था। यानी भारत को विदेश में पहली पिंक बॉल टेस्ट जीत की जरूरत है। जो आसान नहीं होने वाली। ऑस्ट्रेलिया पिंक बॉल टेस्ट की चैंपियन टीम है और उसकी इस तरह के मैच खेलने की आदत भी है। टीम ने अब तक 12 पिंक बॉल टेस्ट खेले हैं और उसमें से 11 जीते भी हैं। यानी ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उसकी की धरती पर पिंक बॉल टेस्ट एक बहुत बड़ी चुनौती है।

रोहित शर्मा और शुभमन गिल की हो सकती है प्लेइंग इलेवन में वापसी

भारतीय टीम के सबसे सीनियर खिलाड़ियों में शामिल कप्तान रोहित शर्मा और विराट कोहली पिंक बॉल टेस्ट खेल चुके हैं और उसे जीत भी चुके हैं। इस बीच रोहित शर्मा की इस टेस्ट में वापसी हो रही है, वहीं खबर है कि शुभमन गिल भी अब इंजरी से उबर चुके हैं। इन दोनों की भारत की प्लेइंग इलेवन में वापसी होगी। ऐसे में देवदत्त पडिक्कल और ध्रुव जुरेल की प्लेइंग इलेवन से छुट्टी हो सकती है। अगर एडिलेड टेस्ट में यही दो बदलाव भारत की प्लेइंग इलेवन में होते हैं तो भारत के 5 खिलाड़ी पिंक बॉल टेस्ट में ओपनिंग करते हुए नजर आ सकते हैं।

भारत के ये खिलाड़ी पहली बार खेल सकते हैं पिंक बॉल टेस्ट

आपको जानकार ताज्जुब होगा कि केएल राहुल और मोहम्मद सिराज ने भी अभी तक पिंक बॉल टेस्ट नहीं खेला है। भले ही वे भारत के लिए लंबे समय से खेल रहे हों। यशस्वी जायसवाल का तो करियर ही अभी ज्यादा लंबा नहीं हुआ तो उनकी बात समझ आती है। इन तीन के अलावा नितीश कुमार रेड्डी और हर्षित राणा भी पहली बार पिंक बॉल टेस्ट खेलेंगे, जिन्होंने हाल ही में भारत के लिए टेस्ट डेब्यू किया है। यानी अपने टेस्ट करियर के शुरुआती दिनों में ही इन्हें इस बड़ी परीक्षा से गुजरना होगा। देखना होगा कि जो खिलाड़ी इस तरह की कंडीशन में खेल चुके हैं उनका और जो पहली बार खेलेंगे उनका प्रदर्शन कैसा रहता है। कुल मिलाकर भारत के लिए ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ ये मुकाबला काफी ज्यादा कड़ाकेदार रहने की संभावना है।

टिम डेविड आरसीबी में वापसी को लेकर उत्साहित

नई दिल्ली,29 नवंबर 2024। ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर टिम डेविड ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) में फिर से शामिल होने को लेकर अपना उत्साह साझा किया और टीम के साथ रोमांचक यादें बनाने की उम्मीद जताई।

सिंगापुर में जन्मे और ऑस्ट्रेलिया में पले-बढ़े डेविड को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने जेद्दा में आईपीएल 2025 की नीलामी में 3 करोड़ रुपये में साइन किया। दिलचस्प बात यह है कि उन्होंने अपने आईपीएल करियर की शुरुआत 2021 में आरसीबी के साथ की थी, उसके अगले साल मुंबई इंडियंस में शामिल हुए।

डेविड ने से कहा, मैं इस साल आरसीबी के लिए खेलने को लेकर वाकई उत्साहित हूं। मैंने कुछ दोस्तों से संपर्क किया है, कुछ कोचिंग स्टाफ के साथ पहले काम किया है और जाहिर तौर पर यह वहां का शानदार मैदान है, खासकर पावर हिटर्स के लिए, इसलिए मुझे उम्मीद है कि वहां भी कुछ रोमांचक यादें बनेंगी। 28 वर्षीय इस बड़े हिटर ने अपना करियर 20 ओवर के प्रारूप को समर्पित कर दिया है। उन्होंने एमआई एमिरेट्स, एमआई न्यूयॉर्क, एमआई केप टाउन, होबार्ट हरिकेंस, लाहौर कलंदर्स, पर्थ स्कॉर्चर्स, सदर्न ब्रेव्स, सेंट लूसिया किंग्स और दुनिया भर के अन्य फ्रेंचाइज टूर्नामेंटों में खेला है।

दुनिया भर में फ्रेंचाइज प्रतियोगिताओं में खेलने के अपने अनुभव को साझा करते हुए उन्होंने कहा, अब बहुत से खिलाड़ी बहुत से फ्रेंचाइज टूर्नामेंटों में खेल रहे हैं, लेकिन मुझे लगता है कि मैंने उनमें से बहुत से टूर्नामेंटों में खेला है, और शायद सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि आप अपने साथियों के साथ कैसे काम करते हैं।

कभी-कभी जब आप किसी नई टीम के साथ खेल रहे होते हैं, तो आपके पास नए साथी, नया कोचिंग स्टाफ, अलग फ्रेंचाइज हो सकते हैं, और फिर जाहिर है कि जिस देश में आप खेल रहे हैं, वह परिस्थितियों को प्रभावित करता है। इसलिए नए देश में रन बनाने का सफल तरीका आजमाने और काम करने में सक्षम होना, वह भी ऐसी ही परिस्थितियों में। अंतरराष्ट्रीय टी20 फ्रेंचाइज लीग में, ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज़ सबसे ज़्यादा मांग वाले खिलाड़ियों में से एक है। सबसे छोटे प्रारूप में 254 मैचों में, उन्होंने 159.79 की स्ट्राइक रेट से 4872 रन बनाए हैं। आईपीएल में, डेविड ने 170 से ज़्यादा की स्ट्राइक रेट से 659 रन बनाए हैं।

डेविड, जो वर्तमान में अबू धाबी टी10 में दिल्ली बुल्स के लिए खेल रहे हैं, ने टी10 प्रारूप में फ़िनिशर की भूमिका पर अपनी राय दी और कहा, टी10 में, देखिए, आप बस जितना जल्दी हो सके उतने रन बनाने की कोशिश करते हैं। तो हां, आपके पास खेल का अंत जल्दी होता है; यह केवल आधे ओवर हैं, इसलिए मुझे लगता है कि प्रारूप के अनुसार खेलने के अपने तरीके का अभ्यास करना अच्छा है। मोहाली में भारत के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया के लिए पदार्पण करने वाले इस ऑलराउंडर ने हैदराबाद में अपने तीसरे मैच में 27 गेंदों पर 54 रन बनाए। अपने भविष्य की योजनाओं का खुलासा करते हुए डेविड ने कहा, मैं घर वापस जा रहा हूं और होबार्ट के लिए घर पर बिग बैश खेलूंगा। तो, हां, कुछ मैच खेलना वाकई बहुत बढ़िया है; बिग बैश से पहले मध्यक्रम में बल्लेबाजी करते हुए कुछ लय हासिल करना।

उन्होंने निष्कर्ष निकाला, मैं बस यह देख रहा हूं कि आगे क्या है, आप जानते हैं, मेरे सामने सीधे। इसलिए मुझे आज रात एक मैच खेलना है, और हम यहां टी10 में फाइनल तक पहुंचने की कोशिश कर रहे हैं और देखते हैं कि उसके बाद क्या होता है।

हार्दिक पांड्या ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में फिर मचाई तबाही

नई दिल्ली, 29 नवंबर 2024। लंबे समय बाद घरेलू क्रिकेट खेल रहे हार्दिक पांड्या अपने बल्ले की धूम से चर्चा में बने हुए हैं। ऐसा कोई गेंदबाज नहीं जो हार्दिक के अटैक के सामने खड़ा हो सके और उन्हें क्रीज पर शांत रख सके। हार्दिक ने लगातार चौथे मचाई में तबाही मचाते हुए अपनी टीम को शानदार जीत दिलाई है। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में बड़ौदा की तरफ से खेल रहे हार्दिक पांड्या ने त्रिपुरा के खिलाफ हुए मैच में महज 23 गेंद पर 5 छक्के और 3 चौके लगाते हुए 47 रन की धमाकेदार पारी खेली और टीम को 7 विकेट से जीत दिला दी। हार्दिक पांड्या सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में विस्फोटक फॉर्म में हैं. वे लगातार 4 मैच में दमदार पारियां खेल चुके हैं। वे गुजरात के खिलाफ 35 गेंद में नाबाद 74, उत्तराखंड के खिलाफ 21 गेंद में 41, तमिलनाडु के खिलाफ 30 गेंद में 69 और त्रिपुरा के खिलाफ 23 गेंद में 47 रन बना चुके हैं।

वियान मुल्डर श्रीलंका के खिलाफ बाकी बचे टेस्ट मैचों से बाहर

डरबन, 29 नवंबर 2024। श्रीलंका के खिलाफ डरबन में चल रहे पहले टेस्ट मैच के बाकी बचे मैच और गेकेबरहा में होने वाले अगले मैच में ऑलराउंडर वियान मुल्डर नहीं खेलेंगे। क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका ने 5 दिसंबर से शुरू हो रहे दूसरे टेस्ट मैच के लिए बल्लेबाज मैथ्यू ब्रीट्ज़के को मुल्डर की जगह टीम में शामिल किया है। 24 वर्षीय मुल्डर ने पिछले महीने बांग्लादेश के खिलाफ मीरपुर में टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण किया था।

मुल्डर को डरबन में पहले टेस्ट मैच के दूसरे दिन बल्लेबाजी करते समय लाहिरू कुमारा की 140 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से आई गेंद हाथ पर लगने के बाद चोट लगी थी। मुल्डर काफी दर्द में थे और दोबारा बल्लेबाजी करने से पहले उन्होंने कुछ समय लिया। लेकिन दर्द में मैदान से बाहर जाने से पहले उन्होंने सिर्फ दो और गेंदें खेलीं।

उसी सत्र में, जब दक्षिण अफ्रीका के नौ विकेट 145 रन पर गिर चुके थे, तब वे दोबारा बल्लेबाजी करने आए। उन्होंने और कैगिसो रबाडा ने अंतिम विकेट के लिए 26 रन जोड़े, जिसमें मुल्डर ने धनंजय डी सिल्वा की गेंद पर छक्का भी लगाया। इसके बाद लंच ब्रेक के दौरान लिए गए एक्स-रे से पता चला कि चोट कितनी गंभीर है, जिसके कारण अब वे दूसरे टेस्ट में नहीं खेल पाएंगे।

एमएस धोनी नहीं करेंगे विकेटकीपिंग

» सीएसके ऋतुराज गायकवाड़ को कर रही तैयार

नईदिल्ली,29 नवंबर 2024। इंडियन प्रीमियर लीग 2025 के लिए सीएसके का स्कवॉड तैयार है। टीम ने ऋतुराज गायकवाड़, रवींद्र जडेजा, शिवम दुबे, मथिशा पाथिराना और एमएस धोनी को रिटेन किया था। वहीं ऑक्शन में सीएसके ने डेवन कॉन्वे,राहुल त्रिपाठी,रचिन रवींद्र,विजय शंकर,सैम करन, नूर अहमद जैसे खिलाड़ियों को खरीद मैनेजमेंट ने टीम को मजबूत बनाने का काम किया है लेकिन अगले सीजन एक बड़ा परिवर्तन देखने को मिल सकता है। अगले सीजन के लिए सीएसके ने अनकैप्ड खिलाड़ी के रुप में एमएस धोनी को रिटेन तो कर लिया है लेकिन धोनी को इंजरी की समस्या बनी रहती है। पिछले 2 साल में हमने धोनी को धुटने की समस्या से जूझते देखा है। ऐसे में अगर उनकी इंजरी ज्यादा गंभीर हुई तो फिर विकेटकीपिंग कौन करेगा ये एक बड़ी समस्या है।

सीएसके ने विकेटकीपर के विकल्प के रुप में वंश बेदी को रखा है। वंश फिलहाल घरेलू क्रिकेट का बड़ा नाम नहीं है। इसलिए टीम उन पर रिस्क फिलहाल नहीं ले सकती है। इसलिए अगर किसी अहम मैच के दौरान एमएस धोनी इंजरी के शिकार होते हैं तो फिर उनकी जगह विकेट के पीछे कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ दिख सकते हैं। फिलहाल गायकवाड़ सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में महाराष्ट्र की कप्तानी के साथ साथ विकेटकीपिंग भी कर रहे हैं. संभव ऐसा करने का इशारा उन्हें सीएसके ने दिया हो।

ऋतुराज गायकवाड़ सीएसके के भविष्य हैं। 2020 से टीम से जुड़े इस खिलाड़ी ने टीम मैनेजमेंट और धोनी का भरोसा जीता है। अपने धमाकेदार बल्लेबाजी के दम पर टीम को चैंपियन बनाने में मदद की है। इसी वजह से एमएस धोनी ने 2024 में जब टीम की कमान छोड़ी तो वे गायकवाड़ के हिस्से आई।

आरसीबी का अगला कप्तान होगा विराट कोहली

नईदिल्ली, 29 नवंबर 2024। इंडियन प्रीमियर लीग 2025 के लिए जब रिटेंशन लिस्ट जारी की गई। उस समय आरसीबी की लिस्ट में फाफ डु प्लेसिस का नाम नहीं था। ऑक्शन में भी आरसीबी ने फाफ के लिए आरटीएम का इस्तेमाल नहीं किया।. साथ ही किसी ऐसे खिलाड़ी को नहीं खरीदा जिसे टीम का अगला कप्तान बनाया जा सके। ऐसे में टीम का अगला लीडर कौन होगा। इसको लेकर तरह तरह की चर्चाएं जारी हैं। इन चर्चाओं में हाल ही में आए एक बयान ने और गर्माहट ला दी है। आईपीएल 2025 में आरसीबी की कप्तानी को लेकर टीम के पूर्व खिलाड़ी एबी डीविलयर्स ने बड़ा बयान दिया है। डीविलयर्स ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा कि, आरसीबी ने ऑक्शन में भुवनेश्वर कुमार, क्रुणाल पांड्या और जितेश शर्मा को खरीदा है। इन सभी के पास कप्तानी का अनुभव तो है लेकिन बतौर कप्तान उनकी चर्चा नहीं है। ऐसे में मुझे लगता है कि टीम अगले सीजन में कप्तानी विराट कोहली को ही सौंपेगी. हालांकि इस पर फिलहाल कोई आधिकारिक फैसला नहीं आया है।

अमिताभ बच्चन संग दी सुपरहिट, साउथ और बॉलीवुड में बजा डंका

सुपरस्टार से पैन इंडिया स्टार बन चुके प्रभास हैं, जिन्होंने बाहुबली जैसी फिल्मों के जरिए दुनिया भर में मशहूर हुए हैं। उन्हें डार्लिंग के नाम से भी जाना जाता है। भारतीय सिनेमा के सबसे पसंदीदा अभिनेता प्रभास ने ब्लॉकबस्टर फिल्म बाहुबली फ्रैंचाइजी में अमरेंद्र बाहुबली के रूप में दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाई है। इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर कई नए रिकॉड भी बनाए। इतना ही नहीं 2024 एक्टर के फिल्मी करियर के लिए बहुत ही लकी साबित हुआ है। उन्होंने बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन के साथ फिल्म कल्कि 2898 एडी में स्क्रीन शेयर की है। ये इस साल की सुपरहिट फिल्मों में से एक थी।

प्रभास साउथ सिनेमा के मशहूर और सबसे मंहगे कलाकारों में से एक हैं जो करोड़ों फीस चार्ज करने के लिए चर्चा मे रहते हैं। प्रभास इन दोनों अपनी अपकमिंग फिल्मों को लेकर भी खबरों में बने हुए हैं। उनकी अपकमिंग फिल्मों की लिस्ट लगातार बढ़ रही है, जिसमें कई बिग बजट फिल्में शामिल हो गई है। बता दें कि हाल ही में एक्टर ने अपने जन्मदिन, 23 अक्टूबर को हंबले फिल्म्स के साथ तीन-फिल्म की डील साइन की है जो कि केजीएफ जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्मों का निर्माण करने वाली प्रोडक्शन हाउस है। साउथ में एक्टर के फैंस उन्हें बॉक्स ऑफिस का बाहुबली भी कहते हैं। बता दें कि सैकनिल्क के अनुसार, कल्कि 2898 एडी ने दुनिया भर में 1200 करोड़ से ज्यादा कलेक्शन किया था तो वहीं इसके पहले बाहुबली 2 ने 1400 करोड़ से भी ज्यादा की कमाई की थी। सुपरस्टार प्रभास ने इस साल बैक टू बैक कई हिट फिल्में दी है। कल्कि 2898 एडी के सुपरहिट होने के बाद से ही एक्टर पूरे देश में चर्चा में बने हुए हैं। अब आने वाले साल में प्रभास एक बार फिर बॉक्स ऑफिस पर तहलका मचाने वाले हैं।

1. द राजा साब 2. हनु राघवपुडी की फौज 3. स्पिरिट 4. कल्की 2898 एडी 2 5. सलार 2 6. प्रभास की लोकेश कनगराज के साथ फिल्म (अनटाइटल्ड) 7. प्रशांत वर्मा के साथ फिल्म (अनटाइटल्ड)।

600 करोड़ी फिल्म के सिक्वल का ऐलान, रजनीकांत अकेले निभाएंगे 6 किरदार

सुपरस्टार रजनीकांत इस साल 12 दिसंबर को अपना 74वां जन्मदिन मनाने जा रहे हैं। जन्मदिन के मौके पर रजनीकांत अपनी 400 करोड़ी फिल्म जेलर के सीक्वल का प्रोमो भी रिलीज कर रहे हैं। जेलर-2 का अनाउंसमेंट हो गया है। अब ये फिल्म जल्द ही सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए तैयार है। रजनीकांत के जन्मदिन 12 दिसंबर को इस फिल्म के पूरी डिटेल्स भी मेकर्स सामने रखने वाले हैं। एक साउथ ट्रेड ट्रैकर ने एक एक्स पोस्ट में खुलासा किया कि नेल्सन दिलीपकुमार निर्देशित फिल्म का प्रोमो शूट 5 दिसंबर को होने की संभावना है और निर्माता इसे उनके जन्मदिन पर रिलीज़ करेंगे। रजनीकांत की दूसरी फिल्म कुली के निर्माता भी उनके जन्मदिन पर रिलीज होने वाली फिल्म थलाइवर के प्रशंसकों के लिए कुछ खास बनाने की कोशिश कर रहे हैं। इसका मतलब है कि प्रशंसकों को इस दिसंबर में दोहरी सौगात के लिए तैयार रहना चाहिए।

जहां कुली एक स्टैंडअलोन फिल्म है, वहीं जेलर 2 रजनीकांत की सुपर-हिट 2023 क्राइम-थ्रिलर की अगली कड़ी है। अभिनेता ने फिल्म में एक सेवानिवृत्त पुलिसकर्मी की भूमिका निभाई और इसने अपने जीवनकाल में दुनिया भर में 600 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई की जो तमिलनाडु में और सुपरस्टार के लंबे करियर की सबसे बड़ी हिट फिल्मों में से एक बन गई। इसमें मोहनलाल, शिवा राजकुमार, राम्या कृष्णन, जैकी श्रॉफ, तमन्ना भाटिया, योगी बाबू और वसंत रवि सहित अन्य लोग भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में थे। इस बीच कुली सुपरस्टार के लिए एक और ग्रीष्मकालीन रिलीज़ होने जा रही है। यह एक एक्शन-थ्रिलर है जिसमें महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नागार्जुन, उपेन्द्र, सौबिन शाहिद, श्रुति हासन और सत्यरण सहित शानदार स्टार-कास्ट शामिल है। निर्माताओं ने अभी तक फिल्म की आधिकारिक रिलीज की तारीख की घोषणा नहीं की है, लेकिन इसके 2025 की पहली छमाही में स्क्रीन पर आने की उम्मीद है।

शोहरत के लिए मुझे कपड़े उतारने की जरूरत नहीं: दिव्या प्रभा

दिव्या प्रभा की फिल्म ऑल वी इमैजिन ऐज लाइट की कहानी काफी ज्यादा प्रेरणादायक है। इस फिल्म में महिलाओं के जीवन और उनके संघर्षों के बारे में बताया है। वहीं फिल्म को ग्रैंड प्रिक्स पुरस्कार भी मिला है। इस फिल्म से दिव्या का एक वीडियो लीक हो गया था जिसके बाद से ही एक्ट्रेस सुर्खियों में बनी हुई हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने इस वीडियो पर चुप्पी तोड़ी है। एक्ट्रेस ने एक इंटरव्यू में इस बारे में बात करते हुए कहा- ये बहुत पथेटिक है। हालांकि, जब मैंने रोल के लिए साइन अप किया था, तब भी मुझे केरल में लोगों के एक ग्रुप से ऐसे रिएक्शन की उम्मीद थी। हम एक ऐसी कम्युनिटी हैं जो योर्गोस लैंथिमोस जैसे फिल्म मेकर्स और यहां तक कि फिल्म में उनके काम के लिए ऑस्कर जीतने वाली एक्ट्रेस के लिए भी जश्न मनाते हैं लेकिन हमें मलयाली महिलाओं का ऐसा रोल करना बर्दाश्त नहीं है। उन्होंने आगे बताया- मुझे ये देखकर खुशी हुई कि ऐसे लोग थे, खासकर पुरुष, जिन्होंने इस हरकत का विरोध किया. इससे पता चलता है कि करंट जेनरेशन में बहुत उम्मीदें हैं। लीक हुए वीडियो को शेयर करने वालों में 10 पर्सेंट आबादी शामिल है और मैं उनकी मानसिकता को नहीं समझती. मलयाली भी केंद्रीय बोर्ड का हिस्सा थे, जिसने हमें मंजूरी दी थी. इसके आगे एक्ट्रेस ने बताया- एक एक्टर होने के नाते मैं ऐसी स्क्रिप्ट करती हूं जिसके लिए मैं कंफर्टेबल हूं और मैं ऑल वी इमेजिन ऐज़ लाइट में अपने किरदार को लेकर पूरी तरह कंफर्टेबल थी. कुछ लोगों ने मेरी आलोचना करते हुए कहा कि मैंने शोहरत के लिए ऐसा सीन किया है और मैं क्रिटिकली अक्लेम्ड फिल्मों का भी हिस्सा रही हूं. मुझे नहीं लगता है कि शोहरत के लिए मुझे कपड़े उतारने की जरूरत है.

एक्ट्रेस की फिल्म की बात करें तो उनकी फिल्म ऑल वी इमेजिन एज लाइट' में अनु का किरदार निभाया है। यह एक बागी किस्म का किरदार रहा। इस किरदार को पर्दे पर दिव्या प्रभा ने बखूबी निभाया है। उन्हें इस किरदार को निभाने के लिए काफी तारीफ भी मिली। आगे भी वह अलग और चुनौतीपूर्ण किरदार करने की ख्वाहिश रखती हैं। दिव्या प्रभा हिंदी और दक्षिण भारतीय फिल्मों में अभिनय करती हुई दर्शकों को आगे नजर आएंगी।

धान खरीदी के मुद्दे पर कांग्रेस का बीजेपी शासन पर दोषारोपण

» पीसीसी चीफ बैज ने कहा...किसानों से धान नहीं खरीदने षड्यंत्र कर रही सरकार...

रायपुर,29 नवम्बर 2024 (ए)। छत्तीसगढ़ में धान खरीदी समेत किसानों के मुद्दों को लेकर राजीव भवन में कांग्रेस ने प्रेसवार्ता कर भाजपा सरकार पर हमला बोला। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि सरकार धान नहीं खरीदने का षड्यंत्र कर रही है।. विष्णु देव साय सरकार की नई नीति से स्पष्ट है कि वह किसानों से धान खरीदी कम करना चाहती है।

बैज ने कहा, इस बार 160 लाख मीट्रिक टन धान खरीदी का लक्ष्य है। इसके लिए 14 नवंबर से 31 जनवरी तक का समय निर्धारित है। शनिवार,रविवार और सरकारी छुट्टियों को घटाकर कुल 47 दिन मिल रहे हैं। इसका मतलब यह है कि प्रतिदिन सरकार को लगभग साढ़े तीन लाख मिट्रिक टन की ख़रीदी प्रति दिन करनी होगी, तब जाकर लक्ष्य पूरा होगा।.

वर्तमान में जिस रफ्तार से धान खरीदी हो रही है उसमें लक्ष्य प्राप्त करना असंभव लग रहा। सोसाइटियो को निर्देश है कि एक दिन में अधिकतम 752 क्विंटल यानी 1880 कट्टा धान ही खरीदा जाना है। ऐसे में एक किसान का शेष धान के लिये उसको आगामी दिनों की तारीख दी जा रही है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि सरकार ने यह घोषणा किया है कि 72 घंटे में किसानों के खाते में पैसा आएगा, लेकिन जो लोग 14 नवंबर को धान बेचे थे, उनके खाते में रकम नहीं आया है, जो रकम आ रहा है वह एक मुश्त 3100 नहीं है. (जो समर्थन मूल्य है उतना) सिर्फ 2300 रुपए प्रति क्विंटल ही आ रहा है।

बैज ने कहा कि अनावरी रिपोर्ट गलत बनाया जा रहा, जिसके आधार पर मात्र 9 से 12-14 क्विंटल धान खरीदा जा रहा। किसानों से पूरा 21 क्विंटल धान नहीं खरीदा जा रहा है। बीज उत्पादक किसानों से सोसायटी में धान नहीं खरीदा जा रहा. सोसायटी में सूचना चस्पा किया गया है कि बीज उत्पादक किसानों का धान नहीं लिया जाएगा। सोसायटी में बारदाने की कमी है, किसान परेशान हैं। सरकार ने कहा है कि 50 प्रतिशत नए, 50 प्रतिशत पुराने बारदानों का उपयोग किया जाए. 50 प्रतिशत पुराने बारदाने समितियों में पहुंचे ही नहीं हैं, जिसके कारण धान खरीदी बाधित हो रही है।

धान खरीदी केंद्रों में जारी नहीं हो रहा टोकन,किसान परेशान

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि धान खरीदी केंद्रों में टोकन नहीं जारी किया जा रहा है. किसान घंटों खड़े रहते हैं. आनलाइन टोकन सिस्टम के कारण किसानों को 15 दिन बाद का भी टोकन नहीं मिल रहा है. धान की कीमत का भुगतान 3217 रुपए में करें, क्योंकि 3100 रुपए भाजपा ने अपने चुनावी वायदे में कहा था. केन्द्र सरकार ने धान का समर्थन मूल्य 117 रुपए बढ़ा दिया है. इस कारण इस वर्ष धान की खरीदी 3100 रुपए से बढ़ाकर 3217 रुपए किया जाए. कांग्रेस के समय भी कांग्रेस ने धान का समर्थन मूल्य 2500 देने का वादा किया था, लेकिन समर्थन मूल्य बढ़ने पर कांग्रेस ने 2640 रुपएमें धान खरीदा था.

भाजपा की नई नीति से धान खरीदी हुई प्रभावित

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष बैज ने कहा कि धान उपार्जन की कांग्रेस सरकार की नीति को भाजपा सरकार ने बदल दिया है. नई नीति के अनुसार 72 घंटे में बफ़र स्टॉक के उठाव की नीति को बदल दिया है। पहले इस प्रावधान के होने से समितियों के पास ये अधिकार होता था कि वे समय सीमा में उठाव न होने पर चुनौती दे सकें। अब जो बदलाव हुआ है उसके बाद बफ़र स्टॉक के उठाव की कोई सीमा ही नहीं है। धान खरीदी केन्द्रो में जगह की कमी आ रही है। पहले मार्कफ़ेड द्वारा समस्त धान का निपटान 28 फ़रवरी तक कर देने की बाध्यता रखी गई थी। अब इसे बढ़ाकर 31 मार्च कर दिया गया है। धान खरीदी बंद होगी 31 जनवरी को, यानी समितियों/संग्रहण केंद्रों में धान अब दो महीने तक रखा रहेगा।

धान की मीलिंग करने में राइस मिलरों ने जताई है असमर्थता

उन्होंने कहा कि धान मिलिंग के लिए कांग्रेस सरकार ने प्रति क्विंटल 120 रुपए देने का निर्णय लिया था, जिसका परिणाम यह हुआ था कि प्रदेशभर में 700 नई राइस मिलें खुली थीं। अब सरकार ने मिलर के लिए 120 रुपए को घटाकर 60 रुपए कर दिया है। इस कारण राइस मिलर हड़ताल पर है। धान सोसायटी में जाम है.। मिलरों को 120 की जगह 60 रुपए देने के फ़ैसले के बाद विभिन्न ज़िलों में राइस मिलर एसोसिएशन धान की मीलिंग करने में असमर्थता व्यक्त करने लगे हैं।

खुश नहीं दुःखी है धान बेचने वाले किसान, विष्णु देव साय सरकार की नई नीति से स्पष्ट

छत्तीसगढ़ में धान खरीदी समेत किसानों के मुद्दों को लेकर राजीव भवन में कांग्रेस ने प्रेसवार्ता कर भाजपा सरकार पर हमला बोला। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि सरकार धान नहीं खरीदने का षड्यंत्र कर रही है. विष्णु देव साय सरकार की नई नीति से स्पष्ट है कि वह किसानों से धान खरीदी कम करना चाहती है.

बैज ने कहा, इस बार 160 लाख मीट्रिक टन धान खरीदी का लक्ष्य है। इसके लिए 14 नवंबर से 31 जनवरी तक का समय निर्धारित है। शनिवार, रविवार और सरकारी छुट्टियों को घटाकर कुल 47 दिन मिल रहे हैं। इसका मतलब यह है कि प्रतिदिन सरकार को लगभग साढ़े तीन लाख मिट्रिक टन की ख़रीदी प्रति दिन करनी होगी,तब जाकर लक्ष्य पूरा होगा. वर्तमान में जिस रफ्तार से धान खरीदी हो रही है उसमें लक्ष्य प्राप्त करना असंभव लग रहा. सोसाइटियो को निर्देश है कि एक दिन में अधिकतम 752 क्विंटल यानी 1880 कट्टा धान ही खरीदा जाना है। ऐसे में एक किसान का शेष धान के लिये उसको आगामी दिनों की तारीख दी जा रही है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि सरकार ने यह घोषणा किया है कि 72 घंटे में किसानों के खाते में पैसा आएगा, लेकिन जो लोग 14 नवंबर को धान बेचे थे, उनके खाते में रकम नहीं आया है, जो रकम आ रहा है वह एक मुश्त 3100 नहीं है. (जो समर्थन मूल्य है उतना) सिर्फ 2300 रुपए प्रति क्विंटल ही आ रहा है।

प्रदेश की संक्षिप्त खबरें

महादेव सट्टा ऐप के आरोपियों की करोड़ों की संपत्ति के खरीदी-बिक्री पर रोक

रायपुर,29 नवम्बर 2024 (ए)। प्रवर्तन निदेशालय ने छत्तीसगढ़ में महादेव ऑनलाइन सट्टा एप को लेकर बड़ी कार्रवाई की है। वही सट्टेबाजी के मामले में आरोपियों की करीब 500 करोड़ रुपए की अचल संपत्ति अटैच कर उनकी पहचान कर ली है। ईडी ने राज्य शासन के राजस्व विभाग से इन अचल संपत्तियों की जानकारी मांगी थी। ईडी द्वारा पटवारी व तहसीलदार के माध्यम से अभनपुर व रायपुर तहसील के अंतर्गत इन अचल संपत्तियों के खसरों को चिन्हित कर कब्जे में लिया गया है और उनकी खरीदी-बिक्री पर रोक लगा दी गई है।

सुप्रीम कोर्ट ने अनवर की जमानत रद्द की

फर्जी मेडिकल रिपोर्ट से खुलासा, एक डॉक्टर की गई नौकरी

रायपुर,29 नवम्बर 2024(ए)। सुप्रीम कोर्ट ने शराब घोटाला मामले के मुख्य आरोपी अनवर ढेबर की जमानत रद्द कर दी। सूत्रों के अनुसार, जिस मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर ढेबर को जमानत मिली थी, वह कोर्ट में फर्जी साबित हुई।जुलाई में हाईकोर्ट ने ढेबर को किडनी और गॉलब्लैडर में स्टोन के आधार पर अंतरिम जमानत दी थी। इस रिपोर्ट पर शक होने के बाद डीकेएस अस्पताल के गैस्ट्रो सर्जन डॉ. प्रवेश शुक्ला को गलत रिपोर्ट तैयार करने के आरोप में बर्खास्त कर दिया गया।

आबकारी उपनिरीक्षक के 90 पद होने पर सियासी बवाल

» पूर्व मंत्री अमरजीत बोले...शराब बेचने का रिकॉर्ड बनाना चाहती है सरकार...

» मंत्री कश्यप ने कहा...प्रतियोगी परीक्षाओं को कांग्रेस ने बनाया था खिलौना...

रायपुर,29 नवम्बर 2024(ए)। सीजीपीएससी-2024 में आबकारी उपनिरीक्षक के सबसे ज्यादा 90 पदों को लेकर विपक्ष ने सवाल उठाया है। पूर्व मंत्री अमरजीत भगत ने कहा, मनपसंद ऐप के लिए 90 आबकारी उपनिरीक्षक पद हैं। राज्य सरकार शराब बेचने के मामले में रिकॉर्ड बनाना चाहती है। अमरजीत के बयान पर पलटवार करते हुए मंत्री केदार कश्यप ने कहा, प्रतियोगिता परीक्षाओं को कांग्रेस ने खिलौना बनाया था। अपने मनपसंद लोगों की भर्ती करते थे।

अमरजीत भगत ने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा,शराब को सरकार मुख्य धंधा बना रही है। जिलों में डीसी और तहसीलदारों की आवश्यकता है, लेकिन शराब बेचने सबसे ज्यादा आबकारी विभाग में पद निकाले गए हैं। उन्होंने कहा, सरकार एक तरफ रामराज्य की बात करते हैं दूसरी तरफ शराब बेंचते हैं।

धर्म परिवर्तन पर सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी स्वागत योग्य : केदार कश्यप

पूर्व मंत्री अमरजीत भगत के बयान पर वन मंत्री केदार कश्यप ने पलटवार किया है। उन्होंने कहा, प्रतियोगिता परीक्षाओं को कांग्रेस ने खिलौना बनाया था। अपने मनपसंद लोगों की भर्ती करते थे। तत्कालीन सरकार ने पुलिस, एरिकेशन कई विभागों में भर्ती किया है। कांग्रेसी गंगाजल हाथ में लेकर झूठ बोलने वाले लोग हैं। सरकारी नौकरी के लिए धर्म परिवर्तन को लेकर सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी को मंत्री केदार कश्यप ने सही बताते हुए कहा,प्रदेश के हर अवैध कार्य पर कार्रवाई होगी. सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी स्वागत योग्य है।

100 करोड़ की ठगी मामले में शामिल महिला की संदिग्ध मौत

कोरबा,29 नवम्बर 2024(ए)। छत्तीसगढ़ में लगभग 50 हजार महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने का झांसा देकर करोड़ों की ठगी करने वाली कंपनी फ्लोरा मैक्स से जुड़ी एक महिला की आज संदिग्ध हालत में मौत हो गई है। कोरबा जिले के करतला के सकदुकला की निवासी महिला भगवती बाई (30 वर्ष) ने कंपनी में 80 अन्य महिलाओं को जोड़ा था। वहीं ठगी के खुलासे के बाद महिला परेशान चल रही थी और बीते तीन दिनों से बीमार होने के बाद अचानक महिला ने दम तोड़ दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पीएम के लिए भेज दिया है और आगे की कार्रवाई में जुट गई है। इस मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए कंपनी के डायरेक्टर अखलेश सिंह और केयर टेकर मया राम साहू समेत 10 महिलाओं को गिरफ्तार कर कंपनी को सील कर दिया है।

पीएससी-2023 परीक्षा परिणाम घोषित

» पलारी के रविशंकर वर्मा ने किया टॉप...

रायपुर,29 नवम्बर 2024(ए)। लोक सेवा आयोग ने 2023 का रिजल्ट जारी कर दिया है। बलौदाबाजार जिले के पलारी क्षेत्र के कोसमंदी निवासी रविशंकर वर्मा ने परीक्षा में टॉप किया है। उनके पिता बालकृष्ण वर्मा किसान हैं। वहीं, माता योगेश्वरी साहू गृहणी हैं। रविशंकर पहले नोएडा में एक निजी कंपनी में काम करते थे। 2021 में सीजीपीएससी में रोजगार अधिकारी के लिए चयन होने के बाद नोएडा से वापस आ गए। वह अभी कोरिया जिले में प्रशिक्षण ले रहे थे। रविशंकर के बड़े भाई प्राइवेट नौकरी करते हैं। दो बहनें शिक्षिका हैं, जिनकी शादी हो चुकी है।टॉप-10 सूची में छह पुरुष और चार महिला अभ्यर्थी शामिल हैं। इस बार टॉप-10 में पांच ओबीसी और पांच सामान्य वर्ग के अभ्यर्थियों ने जगह बनाई है। विस्तृत जानकारी सीजीपीएससी की वेबसाइट पर उपलब्ध है। बता दें विभिन्न विभागों के 17 अलग-अलग सेवाओं के लिए कुल 242 पदों पर भर्ती निकली थी। मुख्य परीक्षा में 3,597 अभ्यर्थी शामिल हुए थे। 24, 25, 26 और 27 जून को लिखित परीक्षा हुई थी, जिसके परिणाम 29 सितंबर 2024 को जारी हुए थे। लिखित परीक्षा के अंकों के आधार पर 703 अभ्यर्थियों का चयन साक्षात्कार के लिए हुआ था। 18 से 28 नवंबर तक दो पालियों में साक्षात्कार हुआ। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने छत्तीसगढ राज्य लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित राज्य सेवा परीक्षा-2023 में हुए सफल अभ्यर्थियों को बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि युवाओं के कंधे पर छत्तीसगढ़ के विकास की महती जिम्मेदारी है।

एनआरडीए,एफ एसएल और विद्युत निरीक्षक कार्यालय में भर्ती का रास्ता साफ

रायपुर,29 नवम्बर 2024(ए)। सीएम साय की पहल पर एनआरडीए, एफएसएल और विद्युत निरीक्षक कार्यालय में कुल 151 पदों पर भर्ती का रास्ता साफ हो गया है। इसके अलावा अब तक 8971 पदों पर भर्ती को मंजूरी मिलने के बाद विभिन्न 19 विभागों ने इसकी प्रक्रिया शुरू की है। वित्त विभाग की ओर बुधवार को नवा रायपुर अटल नगर विकास प्राधिकरण में 96 पद, विद्युत निरीक्षक कार्यालय में 27,न्यायालयिक विज्ञान प्रयोगशाला (एफएसएल) में वैज्ञानिक अधिकारी के 28 रिक्त पदों पर भर्ती को स्वीकृति प्रदान कर दी है।मुख्यमंत्री के निर्देश पर वित्त विभाग की इस मंजूरी के बाद राज्य के युवाओं को शासकीय सेवा के अवसर प्राप्त हो जाएंगे। इसके पूर्व स्वास्थ्य, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, कृषि, ग्रामीण आजीविका मिशन, गृह, विधि, आदिम जाति कल्याण, वन एवं पर्यावरण, उच्च शिक्षा, खेल एवं युवा कल्याण, एनआरडीए, विद्युत विभाग भी स्वीकृति के बाद अपनी भर्ती प्रक्रिया आगे बढ़ाने की कार्यवाही पूरी कर रहे हैं। माना जा रहा है कि नई भर्ती से विभागों की दक्षता में वृद्धि के साथ विभिन्न विकासात्मक परियोजनाओं को नई दिशा एवं गति मिलेगी और छत्तीसगढ़ के युवाओं के लिए रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे। मुख्यमंत्री साय की पहल पर पुलिस विभाग सहित अन्य शासकीय भर्तियों में युवाओं के लिए निर्धारित अधिकतम अधिकतम आयु सीमा में पांच वर्ष की छूट का लाभ भी युवाओं को मिल रहा है।इन पदों को मंजूरीएनआरडीए में प्रबंधक (वित्त एवं लेखा), प्रबंधक (जनसंपर्क) 1% पद, सहायक अभियंता (सिविल) 8, सहायक अभियंता (विद्युत), सहायक अभियंता (यांत्रिकी) तथा सहायक अभियंता (आईटी/कम्प्यूटर साइंस) के 1% पद, सहायक योजनाकार/वास्तु कार के 4, सहायक प्रोग्रामर 3, सहायक प्रबंधक (वित्त एवं लेखा) के 2, उप अभियंता सिविल/लो.स्वा.या) के 21, उप अभियंता एनआरडीए में प्रबंधक (वित एवं लेखा), प्रबंधक (जनसंपर्क) 1% पद, सहायक अभियंता (सिविल) 8, सहायक अभियंता (विद्युत), सहायक अभियंता (यांत्रिकी) तथा सहायक अभियंता (आईटी/कम्प्यूटर साइंस) के 1% पद, सहायक योजनाकार / वास्तुकार के 4, सहायक प्रोग्रामर 3, सहायक प्रबंधक (वित्त एवं लेखा) के 2, उप अभियंता (सिविल/लो.स्वा.या) के 21, उप अभियंता (यांत्रिकी) और उप अभियंता (आईटी/कम्प्यूटर साइंस) के 1%, शीघ्रलेखक के 13, लेखापाल के 3, सहायक मानचित्रकार के 4, अनुरेखक के 4 और सहायक ग्रेड-03 के 26 पदों पर भर्ती को मंजूरी दी गई है। विद्युत निरीक्षक कार्यालय में उपअभियंता के 13, सहायक ग्रेड-3 के 6, विद्युतकार के 5 और जांच अनुचर के 3 पद शामिल हैं। इसी तरह राज्य न्यायालयिक विज्ञान प्रयोगशाला (एफएसएल) में वैज्ञानिक अधिकारी के 28 रिक्त पदों पर भर्ती का रास्ता साफ हो गया है।

फर्जी महिला अधिवक्ता ने युवती से 25 हजार ऐंठे

बिलासपुर,29 नवम्बर 2024(ए)। हाईकोर्ट में केस जीतने का दावा कर एक फर्जी महिला अधिवक्ता ने युवती से 25 हजार रुपए ठग लिए। मामले में चकरभाठा पुलिस ने धोखाधड़ी का केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। बेलगहना चौकी क्षेत्र के ढोल महुआ की रहने वाली अंजू मानिकपुरी (26) का पड़ोसी लक्ष्मी वस्त्रकार के साथ जमीन विवाद चल रहा था। जुलाई 2024 में अंजू की सहेली भगवती निषाद बस से सफर कर रही थी,जहां उसकी मुलाकात प्रियंका चेलसे नामक महिला से हुई। प्रियंका ने खुद को हाईकोर्ट की अधिवक्ता बताते हुए दावा किया कि वह केस जीतवा सकती है। भगवती ने अंजू के सिविल केस की जानकारी प्रियंका को दी। प्रियंका ने अगले ही दिन अंजू को बिलासपुर हाईकोर्ट बुलाया। अंजू अपनी सहेली भगवती के साथ पहुंची। जिला कोर्ट के पास प्रियंका से मुलाकात हुई, जहां प्रियंका ने केस की फाइल और ऋष्ा पुस्तिका अंजू से ले ली। उसने 15 जुलाई को 50 हजार रुपए लेकर हाईकोर्ट आने को कहा। अंजू 15 जुलाई को अपने पिता और सहेली के साथ पहुंची और प्रियंका को 25 हजार रुपए दिए। इसके बाद प्रियंका का व्यवहार संदिग्ध लगा, जिससे अंजू को ठगी का शक हुआ। इस पर उसने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई। चकरभाठा पुलिस ने अंजू की शिकायत पर प्रियंका चेलसे के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस अब प्रियंका की तलाश में जुटी है और घटना से जुड़े तथ्यों की जांच कर रही है।

वकील फैजान खान को मिली जमानत

रायपुर,29 नवम्बर 2024(ए)। बॉलीवुड स्टार शाहरूख खान को जान से मारने की धमकी देने वाले मोवा के अधिवक्ता फैजान खान जमानत पर रिहा हो गए हैं। आज रायपुर प्रेस क्लब में फैजान व उनके साथी अधिवक्ता विराट वर्मा ने कहा कि बांद्रा पुलिस को उसके खिलाफ कोई सबूत नहीं मिले हैं। फैजान ने कहा कि वे केस खारिज करने कोर्ट में याचिका दायर करेंगे। बांद्रा पुलिस ने शाहरूख खान को पिछ्ले माह धमकी भरा ईमेल करने का मामला दर्ज कर गिरफ्तार किया था।

हाईकोर्ट ने पुलिस को लगाई फटकार

» कहा...अफसर बॉलीवुड स्टार नहीं हैं...

बिलासपुर,29 नवम्बर 2024(ए)। सक्ती जिले के डभरा थाना में दर्ज एक मामले की जांच में 8 माह की देरी और एफआईआर को चुनौती देने के मामले में छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने पुलिस अधिकारियों को कड़ी फटकार लगाई। चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा की अध्यक्षता वाली युगलपीठ ने कहा,अधिकारियों की रोज फोटो छप रही है, लेकिन वे अपने काम में लापरवाही बरत रहे हैं। अधिकारी बॉलीवुड स्टार नहीं हैं। डभरा थाने में 25 अप्रैल 2024 को भारतीय दंड संहिता की धारा 120बी, 408 और 420 के तहत मामला दर्ज किया गया था। एफआईआर को चुनौती देते हुए एक आरोपी ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की। मामले की सुनवाई के दौरान आरोपी ने स्वयं उपस्थित होकर कोर्ट को बताया कि एफआईआर दर्ज होने के 8 माह बाद भी इसे उजागर नहीं किया गया और जांच में कोई प्रगति नहीं हुई है।

चीफ जस्टिस ने मामले की सुनवाई के दौरान शासन के अधिवक्ता से कहा, ÷यह क्या हो रहा है? हर मामले में यही स्थिति है। एसपी और जांच अधिकारी अपना काम नहीं कर रहे। जांच महीनों तक चलती रहती है। अधिकारी रोज अखबारों में अपनी तस्वीरें छपवाने में लगे हैं।÷ चीफ जस्टिस ने यह भी कहा कि एफआईआर की जांच और प्रक्रिया में देरी से पीड़ित और आरोपी दोनों कोर्ट के समक्ष बार-बार पेश हो रहे हैं। उन्होंने इस स्थिति को गंभीर लापरवाही करार दिया। कोर्ट ने पहले डीजीपी को ऑनलाइन सुनवाई में शामिल करने का निर्देश दिया, लेकिन अतिरिक्त महाधिवक्ता के अनुरोध पर इसे टाल दिया। कोर्ट ने इस याचिका को इसी तरह के अन्य मामलों के साथ जोड़ते हुए सुनवाई के लिए 2 दिसंबर 2024 की तारीख तय की है।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफ्सेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)